आश्विन शुक्ल पक्ष-13, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 107 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

# दोपहर मेट्रो

भोपाल
24 अक्टूबर 2026 शनिवार

आज का मौसम
33.2 अधिकतम
15.6 न्यूनतम

Page-7

# राहुल गांधी को गिरफ्तार क्यों नहीं कराते मोदी-शाह?

## सहानुभूति देकर राजनीतिक हीरो नहीं बनाना चाहती भाजपा!

*बीजेपी शायद नहीं चाहती कि राहुल गांधी को जेल भेजने की किसी कार्रवाई से उन्हें जनता की निगाह में सहानुभूति का पात्र बनने या राजनीतिक हीरो के रूप में उभरने का मौका मिले । राहुल गांधी भी संभवत: भाजपा की इसी दुविधा को समझते हैं। इसीलिए वे आक्रामक बयानबाजी और गुरिल्ला युद्ध जैसी रणनीति अपना रहे हैं । कभी आकाशवाणी तो कभी सुप्रीम कोर्ट परिसर में प्रवेश इसी पूर्व नियोजित पटकथा का हिस्सा है । मकसद बीजेपी को उकसाने का है । उनका प्रयास है मोदी को कमजोर प्रधानमंत्री साबित करना और संवैधानिक संस्थाओं के भाजपा से घालमेल का नैरेटिव बनाना । भाजपा के सामने चुनौती यह है कि वह राहुल के आरोपों का जवाब देते हुए उन्हें ऐसा राजनीतिक अवसर न दे, जिससे कांग्रेस अपने विरोध अभियान को सहानुभूति की लहर में बदल सके। इतिहास गवाह है कि राहुल गांधी की दादी और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सत्ता और राजनीतिक विरोध के टकराव में कठोर फैसले लिए थे। 1975 में आपातकाल लागू करने और विपक्षी नेताओं को बड़े पैमाने पर गिरफ्तार कराने के उनके फैसले ने भारतीय लोकतंत्र पर गहरी छाप छोड़ी। अंतत: 1977 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को सत्ता गंवानी पड़ी। आज उसी कांग्रेस को लोकतांत्रिक संस्थाओं और राजनीतिक स्वतंत्रता के सवाल पर भाजपा को चुनौती देते देखना भारतीय राजनीति का एक दिलचस्प विरोधाभास है। दूसरी ओर, भाजपा भी शायद इंदिरा गांधी के दौर की गलतियों को दोहराने से बचना चाहती है। वह राहुल गांधी के आरोपों का जवाब राजनीतिक मंचों से देकर और उनके रवैये पर सवाल उठाकर मुकाबले को चुनावी विमर्श के भीतर रखना चाहती है।*

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

राहुल गांधी पर संगीन आरोप लगाने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई क्यों नहीं करते? मोदी-शाह की तो छोड़िए, भाजपा का कोई दूसरा नेता उनके खिलाफ एफआईआर क्यों नहीं दर्ज कराता? आखिर क्या वजह है कि आरोपों की बौछार करने वाली भाजपा कानूनी कार्रवाई के सवाल पर अक्सर मौन साध लेती है?

केंद्रीय मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर राहुल गांधी के विरोध और उनके तौर-तरीकों पर उठ रहे सवालों के बावजूद भाजपा की इस रणनीतिक चुप्पी के पीछे कई सियासी दांव छिपे हो सकते हैं। दूसरी ओर, राहुल गांधी इस सबसे बेपरवाह होकर ज्ञानेश कुमार के साथ ही मोदी-शाह पर लगातार हमले कर रहे हैं। भाजपा उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के बजाय अब उन्हें राजनीतिक रूप से घेरने और उनके विरोध में सड़कों पर उतरने की रणनीति बना रही है। राहुल गांधी पर देशविरोधी आचरण के आरोप लगाए जा रहे हैं, जबकि कांग्रेस के नेता और प्रवक्ता खुलेआम भाजपा को राहुल को गिरफ्तार करने की चुनौती दे रहे हैं। इसके बावजूद कानूनी कार्रवाई के सवाल पर भाजपा और उसके प्रमुख प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी और संबित पात्रा इसे प्रधानमंत्री मोदी की उदारता का प्रतीक बताकर कांग्रेस के सवाल को चतुराई से टाल जाते हैं।

एक बार दिल्ली के कुछ पत्रकारों ने भाजपा के एक नेता से पूछा था कि राहुल गांधी लगातार प्रधानमंत्री पद की गरिमा को ताक पर रखकर बयानबाजी करते हैं, तो भाजपा उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं करती? उनका जवाब दिलचस्प था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जो भी बोलते हैं, उस पर देश की जनता खुद संज्ञान लेती है। ऐसे में भाजपा को कुछ करने की जरूरत ही क्या है? इस जवाब में भाजपा की राजनीतिक रणनीति का एक अहम संकेत छिपा था।

अब जबकि राहुल गांधी के बयान और विरोध के तरीके राजनीतिक टकराव को लगातार तीखा कर रहे हैं, तब भी भाजपा कानूनी कार्रवाई के बजाय राजनीतिक मुकाबले को प्राथमिकता देती दिखाई दे रही है। खासकर सोशल मीडिया पर विवादित बयानों और अभियानों को लेकर चल रही राजनीतिक खींचतान में कांग्रेस ने इस टकराव को और हवा दी है। काकरोच पार्टी के कार्यकर्ताओं और वामपंथी संगठन 'आइसा' से जुड़ी नेहा वोरा को अपने साथ बताने पर बीजेपी कांग्रेस को घेरने के मौके के बतौर देख रही है । भाजपा चाहे तो उपलब्ध तथ्यों और लागू कानूनों के आधार पर कानूनी विकल्पों पर विचार कर सकती है। लेकिन उसकी रणनीति फिलहाल बयानबाजी, राजनीतिक लामबंदी और सड़कों पर मुकाबले तक सीमित दिखाई देती है।

लोकतंत्र में किसी नेता के खिलाफ कार्रवाई राजनीतिक आरोपों के आधार पर नहीं, बल्कि उपलब्ध साक्ष्यों और कानून के आधार पर होनी चाहिए। इसी तरह, किसी नेता के खिलाफ कार्रवाई न होना अपने आप में उसकी बेगुनाही या सरकार की कमजोरी का प्रमाण नहीं है। हालांकि वक्त ही बताएगा कि संसदीय गरिमा और संवैधानिक संस्थाओं को लेकर राहुल गांधी तथा कांग्रेस का टकराव किस मुकाम तक पहुंचेगा। राहुल गांधी को इससे कितना राजनीतिक लाभ मिलता है और भाजपा को कितना नुकसान होता है, इसका निर्णायक आकलन अगले लोकसभा चुनाव के नतीजों से ही हो सकेगा।

लेकिन इस पूरे घटनाक्रम के बीच एक और बड़ा सवाल खड़ा है। क्या कांग्रेस का यह प्रतिरोध एनडीए सरकार को महिला आरक्षण से जुड़े नारी वंदन प्रावधानों और परिसीमन संबंधी प्रस्तावों को आगे बढ़ाने से रोक पाएगा? अप्रैल में इन विधायी प्रयासों को लेकर मिली राजनीतिक चुनौती के बाद मोदी-शाह ने इन्हें पारित कराने के लिए कितना होमवर्क किया है और सरकार विपक्षी दलों के बीच किस तरह सहमति बनाने या बहुमत जुटाने की कोशिश करेगी, यह देखना दिलचस्प होगा। फिलहाल इतना तो साफ है कि राहुल गांधी और भाजपा के बीच यह मुकाबला राजनीतिक रणनीति, जनधारणा और संवैधानिक संस्थाओं की प्रतिष्ठा से जुड़ा संघर्ष बन चुका है।

## न्यूज विंडो

### जम्मू के पुंछ में भारी मात्रा में विस्फोटक मिलने से मचा हड़कंप

**पुंछ।** जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती पुंछ जिला में सुरक्षा बल ने एक संयुक्त तलाशी अभियान चलाकर आतंकी ठिकाने से सात कंटेनर में विस्फोटक सामग्री बरामद की। टेप से लिपटे कंटेनर में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) होने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल जांच जारी है। पिछले 10 दिन में पुंछ और राजौरी जिलों में चार बार हथियार और गोलाबारूद बरामद हो चुका है। हालांकि ये सभी हथियार पुराने बताए जा रहे हैं।

### भागवत 3 दिन जबलपुर में कार्यकर्ताओं से कर रहे संवाद

**जबलपुर।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत आज से 3 दिन जबलपुर प्रवास पर है। 26 अक्टूबर तक वे संघ के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इस दौरान दायित्ववान कार्यकर्ताओं, महाविद्यालयीन स्वयंसेवकों और संघ की प्रांतीय कार्यकारिणी के सदस्यों के साथ संवाद और बैठक करेंगे। प्रवास के पहले दिन आज भागवत जबलपुर महानगर में निवासरत मुख्य शिक्षक और उनसे ऊपर के दायित्ववान कार्यकर्ताओं से संवाद कर रहे है। इस दौरान संगठनात्मक कार्यों से जुड़े विषयों पर चर्चा कर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन दिया जा रहा है।

### पेड़ से टकराई बोलेरो, सेना के जवान की मौत, पांच घायल

**केशकाल।** छत्तीसगढ़ के केशकाल इलाके में गट्टीपलना मोड़ के नजदीक एक बोलेरो कार सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। दुर्घटना में सेना के एक जवान की जान चली गई, जबकि कार में सवार दूसरे सैन्य जवान सहित पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक, दुर्घटनाग्रस्त बोलेरो में सवार सभी लोग ग्राम पल्ली के निवासी बताए गए हैं। देर रात करीब दस बजे ग्राम पांडे आठगांव जा रहे थे। जैसे ही उनका वाहन गट्टीपलना मोड़ के घुमावदार रास्ते पर पहुंचा, बोलेरो अचानक अनियंत्रित हो गई और सीधे एक बड़े पेड़ से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन के आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और अंदर बैठे लोग गंभीर चोटें आई।

## मिसरोद से बैरागढ़ चीचली जाने वाली मास्टर प्लान रोड को बीच में ही रोका

# ऐसे बदलेंगे मास्टर प्लान के प्रस्ताव तो टूट जाएगा निवेशकों का भरोसा

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

भोपाल के बहुप्रतीक्षित मास्टर प्लान 2047 के ड्राफ्ट पर दावे और आपत्तियां दर्ज कराने का आज आखिरी दिन है और लोग रात 12 बजे तक ऑनलाइन या ऑफ़ लाइन अपनी बात रख सकते हैं । दावे और आपत्तियों के बीच मास्टर प्लान के प्रस्ताव बार - बार बदले जाने से शहरी विकास से जुड़े विशेषज्ञों में असंतोष है । उनका कहना है कि इससे शहर में निवेश करने वालों का भरोसा टूटता है । इसका सबसे बड़ा उदाहरण मिसरोद से बैरागढ़ चीचली तक जाने वाली रोड है जिसे सोहागपुर गाँव के पास रोका जा रहा है, जो कि किसी भी तरह व्यवहारिक नहीं है ।

प्रस्तावित मास्टर प्लान 2023 के मसौदे में फेरबदल करके नए प्रारूप में मिसरोद से बैरागढ़ चीचली तक जाने वाले मास्टर प्लान रोड को बीच में ही रोक दिया गया है । इसे पहले ग्राम हिनोतिया आलम और बिलखिरिया खुर्द की सीमा से निकलने वाले 24 मीटर रोड को सोहागपुर ग्राम की सीमा से आगे आगे बढ़ाते हुए देहरी कलाँ, कांकरिया , इनायतपुर ,कोलार सिक्स लेन से रसूलिया जागीर तक जोड़ने का प्रावधान था ।

रसूलिया जागीर से सतगढ़ी तक प्लान में पूर्व से ही 24 मीटर रोड प्रस्तावित है । सोहागपुर से रसूलिया जागीर तक सड़क को आगे बढ़ाने से मिसरोद से सतगढ़ी औद्योगिक क्षेत्र तक सीधे कनेक्टिविटी हो जाएगी । लेकिन नए प्लान से विकास योजना का मंसूबा धरा का धरा रह गया है । वर्षों से शहरी विकास के विमर्श से जुड़े रहे विशेषज्ञ मानते हैं कि नए मास्टर प्लान के साथ नीतियों में निरंतरता और निवेश की सुरक्षा भी जरूरी है। वर्ष 2020 में प्रकाशित योजना 2031 के प्रारूप पर प्रक्रिया आगे बढ़ाते हुए शासन ने 2023 में नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 की धारा 19(2) के तहत बदलाव प्रकाशित किए थे। दशकों से नए मास्टर प्लान और लैंड यूज व प्रस्तावित सड़कों की स्पष्टता का इंतजार कर रहे निवेशकों ने इस प्रारूप और मानचित्रों को आधार बनाकर इन्वेस्टमेंट किया था किया। अब 2047 के प्रारूप में कई पुराने लैंड यूज और प्रस्तावित मार्ग बदलने या हटाने से उनके निवेश और परियोजनाओं के भविष्य पर सवालिया निशान लग गया है । जो लोग भी मास्टर प्लान के पुराने ड्राफ्ट को देखकर निवेश करते हैं, उन्हें प्रस्ताव बदलने पर भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ता है। इससे बाहरी और स्थानीय निवेशक शहर में बड़ी पूंजी लगाने से कतराने लगते हैं।

**मिसरोद से सतगढ़ी औद्योगिक क्षेत्र तक सीधे कनेक्टिविटी पर असर**

**दावे-आपत्तियां दर्ज कराने का आज आखिरी दिन**

### कोलार रोड पर कम हो सकता है वाहनों का दबाव

कोलार रोड अभी सिक्स लेन जरूर है लेकिन वाहनों का अभी से इतना दवाब है कि दोनों तरफ़ पार्किंग के बाद यह फोरलेन ही रह जाता है । यदि मिसरोद - सलैया से होते हुए सोहागपुर से अस्सी फुट का रोड डेहरी कलाँ होते हुए निकलेगा तो कोलार रोड पर दबाव कम होगा, क्योंकि लोगों को वैकल्पिक मार्ग भी मिल सकेगा। लेकिन, इसे सोहागपुर तक रोकने से सारा उद्देश्य ही परास्त हो गया है। क्रेडाई भोपाल के अध्यक्ष मनोज मीक का कहना है कि बार बार प्रस्ताव बदले जाने से निवेशकों के भरोसे पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। उन्होंने माँग की है कि विकास योजना 2031 के धारा 19(2) में प्रकाशित उपांतरणों सहित लैंड यूज और प्रस्तावित मार्गों को नई योजना में यथावत रखा जाए। जहाँ कानूनी तौर पर पर्यावरण या व्यापक जनहित में बदलाव जरूरी हो, वहाँ उसका स्पष्ट कारण सार्वजनिक किया जाए।

## दूसरा टी-20 मुकाबला

### क्राइस्टचर्च में वैभव सूर्यवंशी की एंट्री

**क्राइस्टचर्च, एजेंसी।** भारत और न्यूजीलैंड के बीच 5 टी-20 मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला आज खेला जा रहा है। मैच क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में दोपहर 12:30 बजे से शुरू हुआ। भारतीय टीम पिछला मैच जीतकर सीरीज में 1-0 से आगे है। इस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी खेल रहे हैं। उन्हें ईशान किशन की जगह लिया गया है जो चोट के कारण इस मुकाबले से बाहर हैं।

भारत का यह 300वां टी-20 मैच होगा। टीम यह मुकाम हासिल करने वाली दुनिया की दूसरी टीम बनेगी। पाकिस्तान 304 मैचों के साथ पहले स्थान पर है। साथ ही भारत अगर यह मुकाबला मुकाबला जीतता है, तो 200 टी-20 जीतने वाला पहला देश बन जाएगा।

### भारत का मोस्ट वॉन्टेड गैंगस्टर हिमांशु भाऊ अमेरिका में गिरफ्तार, 30 से ज्यादा मामले दर्ज

**नई दिल्ली।** भारत के मोस्ट वॉन्टेड गैंगस्टर हिमांशु भाऊ को अमेरिका में एफबीआई ने गिरफ्तार किया है। हिमांशु पर दिल्ली, हरियाणा समेत कई राज्यों में मर्डर, हत्या की कोशिश, रंगदारी और हथियारों की तस्करी जैसे करीब 30 से ज्यादा गंभीर मामले दर्ज हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी सामने आई है।

इंटरपोल ने उसके खिलाफ 2023 में रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। हरियाणा पुलिस ने उस पर 2.5 लाख और दिल्ली पुलिस ने 1 लाख रुपए का इनाम घोषित किया था। 2022 में हरियाणा में 24 घंटे में तीन हत्याओं के बाद हिमांशु चर्चा में आया था। हिमांशु भाऊ की गैंग ने ही 2025 में यूट्यूबर एल्विश यादव के गुरुग्राम स्थित घर के बाहर फायरिंग की जिम्मेदारी ली थी। हिमांशु की लॉरेंस और गोल्डी बराड़ गैंग से दुश्मनी मानी जाती है।

**भोपाल में राष्ट्रीय एचआर-सीएसआर सम्मेलन**

### मुख्यमंत्री बोले-पद को जिम्मेदारी से निभाना श्रीकृष्ण से सीखें, माता को दिया वचन निभाया

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि शासन में मिले पद को जिम्मेदारी से निभाना और वचन देने के बाद उसे पूरा करना भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से सीखने योग्य संदेश हैं। श्रीकृष्ण ने कंस का वध किया और महाभारत के युद्ध में पांडवों का साथ दिया, लेकिन खुद सत्ता नहीं संभाली।

मुख्यमंत्री आज भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में चतुर्थ राष्ट्रीय एचआर-सीएसआर सम्मेलन 'अभ्युदय-2026' के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण ने यशोदा माता के हाथ से ही माखन खाने का वचन दिया था और उसे निभाया। उनके जीवन की ऐसी घटनाएं बताती हैं कि वचन का पालन कितना महत्वपूर्ण है।

## आज का कार्टून

**राज्य में 97% लोग मांसाहारी**

### केरलम राज्यपाल ने पद संभालते ही लोकभवन में नॉनवेज पर रोक लगाई

**तिरुवनंतपुरम।** केरलम के नए राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर के पद संभालने के कुछ घंटे बाद ही लोकभवन में मांसाहारी खाना बनाने और परोसने पर रोक लगा दी गई।

कांग्रेस और विपक्षी CPI(M) ने इस फैसले की आलोचना की है। कांग्रेस ने कहा कि क्या अब राज्यपाल तय करेंगे कि क्या खाना है।राज्यपाल कार्यालय के सूत्रों ने कहा कि माथुर शाकाहारी हैं। इसी वजह से उन्होंने यह बदलाव कराया। सूत्रों ने साफ किया कि लोकभवन के कर्मचारियों के खाने पर कोई रोक नहीं लगाई गई है। माथुर ने कल सुबह केरलम के 29वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली थी । केरल हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सौमेन सेन ने उन्हें पद की शपथ दिलाई थी। केरलम में 97% लोग मांसाहारी हैं।

#### कांग्रेस बोली- राज्यपाल ने हद पार कर दी

AICC महासचिव और अलप्पुझा लोकसभा सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सिर्फ शाकाहारी खाना बनाने का निर्देश देकर राज्यपाल ने हद पार कर दी है।

उन्होंने कहा कि केरलम की खान-पान की संस्कृति अलग है। तटीय राज्य होने के कारण यहां मछली भी बड़ी मात्रा में उपलब्ध है। राज्य के लोग शाकाहारी या मांसाहारी भोजन चुनने के लिए स्वतंत्र हैं।

### ट्रम्प बोले-हमले के लिए तैयार रहे, ईरान ने कहा इंटरनेट केबल काट देंगे

**वॉशिंगटन डीसी/तेहरान।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ फिर सैन्य कार्रवाई करने की धमकी दी है। उन्होंने नफ्लोरिडा में एक रैली के दौरान कहा, 'हम एक और छोटा ऑपरेशन एपिक फ्यूरी कर सकते हैं।' अमेरिकी सेना ने 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ शुरू हुए युद्ध को 'एपिक फ्यूरी' नाम दिया था। हालांकि, ट्रम्प ने यह नहीं बताया कि दोबारा सैन्य कार्रवाई कब या किस तरह की होगी। वहीं, ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका और इजराइल ने दोबारा हमला किया तो वह खाड़ी देशों में समुद्र के नीचे बिछी इंटरनेट केबल को निशाना बनाएगा। इससे इंटरनेट सेवाओं, बैंकिंग और ऑनलाइन कारोबार पर असर पड़ सकता है।

**तारीख बदलने की मांग**

### दिल्ली के कारोबारी राहुल से बोले-1 नवंबर को रैली न करें, करोड़ों का नुकसान होगा

**दिल्ली, एजेंसी।** चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (CTI) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से इंडिया ब्लॉक की रैली टालने की अपील की है। सीआईटी ने आज पत्र लिखकर कहा कि 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली रैली 10 नवंबर के बाद की जाए। संगठन ने दिवाली फेस्टिवल सीजन में 10 हजार करोड़ रुपए के व्यापारिक नुकसान की चेतावनी दी है। दरअसल, 1 नवंबर को रामलीला मैदान में एसआईआर और ज्ञानेश कुमार के विरोध में इंडिया ब्लॉक की रैली है।रामलीला मैदान के 5 किमी के दायरे में चांदनी चौक और कनॉट प्लेस समेत 8 बड़े बाजार हैं।

#### धनतेरस पर 25 हजार करोड़ का व्यापार

दिल्ली में धनतेरस, दीपावली और भैया दूज के दौरान सोना-चांदी, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़े और ऑटोमोबाइल समेत विभिन्न सेक्टरों में करीब 25,000 करोड़ रुपये का व्यापार होता है। 1 नवंबर से लोग खरीदारी शुरू कर देते हैं, जो दिल्ली की अर्थव्यवस्था के लिए बेहद अहम है। सीटीआई के अनुसार, अक्टूबर में सेंट्रल दिल्ली में हुए प्रदर्शनों और रास्ते बंद होने के कारण व्यापारियों को पहले ही 3,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है।

# गुलाबी ठंड की आहट

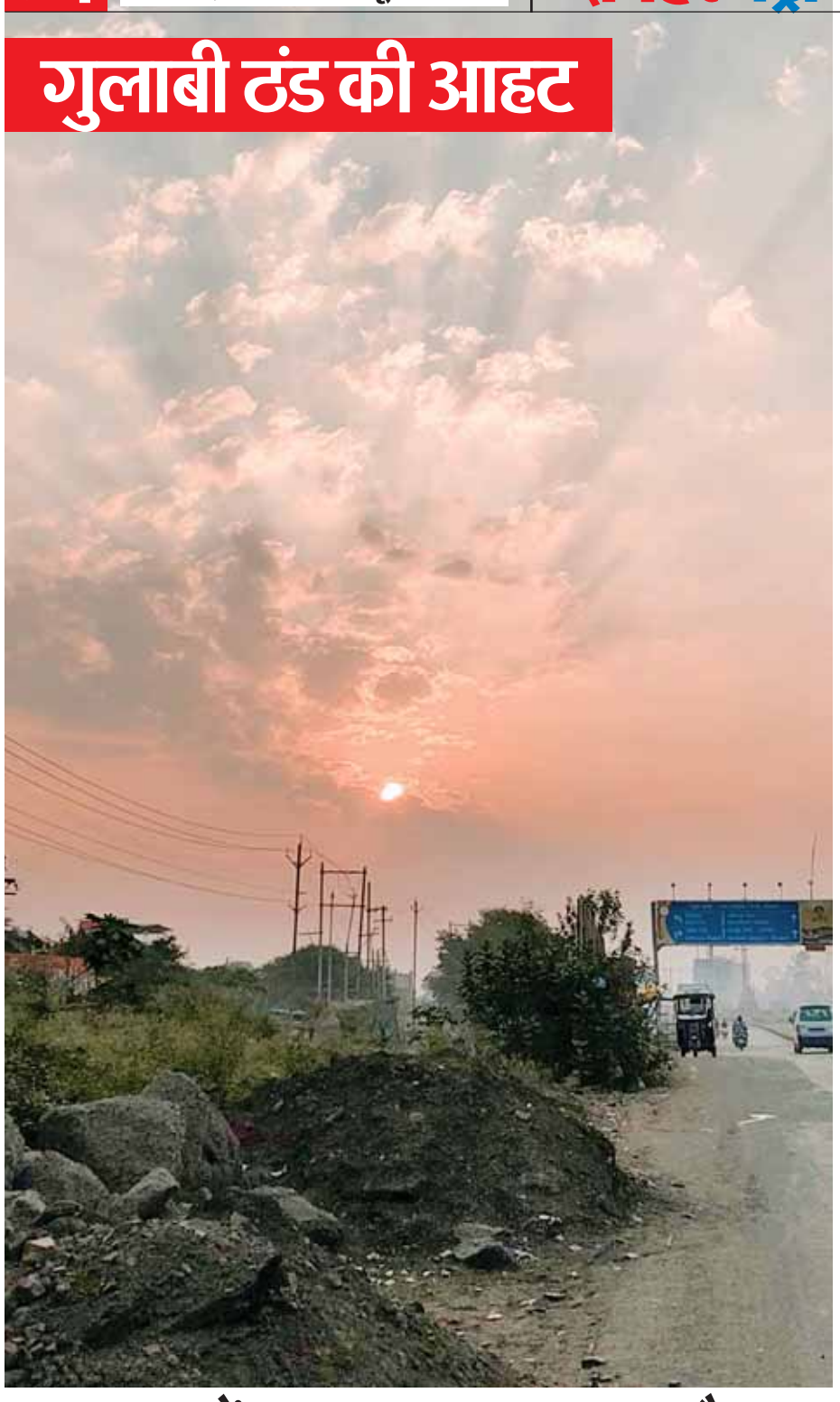

## तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव, मौसम शुष्क, धार और इंदौर जिलों में हल्की बारिश

**भोपाल। दोपहर मेट्रो**

प्रदेश में गुलाबी ठंड की आहट के साथ तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। गुरुवार को प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क रहा, जबकि धार और इंदौर जिलों में हल्की वर्षा हुई। धार में चार मिलीमीटर और इंदौर में एक मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार रीवा में रात सबसे ठंडी रही, जहां न्यूनतम तापमान गिरकर 15.0 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। इसके अलावा उमरिया में 15.4 डिग्री और सीधी में 16.2 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम पारा दर्ज किया गया।

### पचमढ़ी में दिन सबसे ठंडा खजुराहो में पारा 34.2 डिग्री पार

वहीं, नर्मदापुरम जिले के पचमढ़ी में दिन सबसे ठंडा रहा, जहां अधिकतम तापमान 27.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। दूसरी ओर, छतरपुर जिले के खजुराहो में दिन का पारा सबसे अधिक 34.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके बाद गुना और रतलाम में 34.0 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। राजधानी भोपाल में दिनभर तीखी धूप निकली, जिससे गर्मी और उमस से लोग परेशान हुए। उमरिया में सुबह के समय में आर्द्रता 90 प्रतिशत और बालाघाट जिले के मलांजखंड में 87 प्रतिशत तक पहुंच गई, जिससे सुबह हल्की धुंध और ठंडक का असर देखा गया।

### अगले 5 दिन शुष्क रहेगा मौसम 5 जिलों में हल्की वर्षा के आसार

मौसम विज्ञानी प्रमेंद्र कुमार ने बताया कि अगले पांच दिन प्रदेश का मौसम शुष्क रहेगा। इससे अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होगा, लेकिन न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री की गिरावट की संभावना जताई गई है। शुक्रवार को अलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, खंडवा और बुरहानपुर में हल्की वर्षा हो सकती है।

# भोपाल को कारखानों के साथ कार्गो सुविधाओं की भी दरकार - क्रेडाई

**भोपाल। दोपहर मेट्रो**

क्रेडाई भोपाल ने राजधानी में कार्गो सुविधाएं बढ़ने और औद्योगिक विकास पर ध्यान देने की जरूरत बताई है। क्रेडाई के अनुसार राजा भोज विमानतल से अप्रैल से अगस्त 2026 के बीच 996.6 टन घरेलू हवाई माल की ढुलाई हुई। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के पांच मासिक दस्तावेजों के तुलनात्मक अध्ययन के अनुसार, इसी अवधि में इंदौर से 4,553.8 टन माल की ढुलाई दर्ज की गई। यानी इंदौर की तुलना में भोपाल से करीब 4.6 गुना कम माल भेजा गया। राजधानी में कार्गो सुविधाओं और औद्योगिक विकास पर ध्यान देने की जरूरत बताता है।

मध्यप्रदेश के निवेश पोर्टल पर भोपाल और इंदौर में बहु-माध्यम लॉजिस्टिक्स पार्क प्रस्तावित बताए गए हैं। वहीं, केंद्र सरकार ने एक अप्रैल 2026 को राज्यसभा में देश के 15 प्राथमिकता वाले लॉजिस्टिक्स पार्कों की जानकारी दी

थी। इनमें इंदौर का नाम शामिल है, जबकि भोपाल का उल्लेख नहीं है। दोनों योजनाएं अलग हैं, लेकिन राज्य सरकार को भोपाल की परियोजना की जमीन, मंजूरी और बजट की स्थिति भी साफ करनी चाहिए। राजा भोज विमानतल पर घरेलू कार्गो टर्मिनल 2023 में शुरू हुआ था। पश्चिम मध्य रेलवे की 2023-24 की रिपोर्ट में मंडीदीप कंटेनर डिपो और पवारखेड़ा सहित अन्य माल ढुलाई केंद्रों का भी उल्लेख है। इन सुविधाओं को आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों से बेहतर तरीके से जोड़ने की जरूरत है। क्रेडाई भोपाल के अध्यक्ष मनोज सिंह मीक के नेतृत्व में 'कमाल का भोपाल' अभियान राजधानी को बड़ा लॉजिस्टिक्स केंद्र बनाने की पैरवी करता रहा है। मीक के अनुसार, अब सवाल यह नहीं होना चाहिए कि पहले कारखाने बनें या कार्गो हब। उद्योगों को सस्ती ढुलाई चाहिए और कार्गो केंद्रों को नियमित माल। मंडीदीप, औबेदुल्लागंज, तामोट, बुदनी, मोहासा और बाबई जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में उत्पादन, सहायक उद्योग और रोजगार बढ़ाना भी जरूरी है।

### योजना बनाकर बढ़ने की जरूरत

औद्योगिक विकास निगम को उपलब्ध जमीन, बिजली, कुशल श्रमिकों और नए उद्योगों की जरूरत का आकलन करना चाहिए। विमानतल प्राधिकरण, रेलवे और उद्योग संगठनों को मिलकर माल की मात्रा, ढुलाई लागत और सुविधाओं की कमी का अध्ययन करना चाहिए। विमानतल से जल्दी पहुंचाए जाने वाले सामान की सेवाएं बढ़ें, जबकि रेल और सड़क के जरिए भंडारण व वितरण की सुविधाएं विकसित हों। बड़े कार्गो टर्मिनल पर निवेश से पहले माल की संभावित मात्रा, खर्च, पर्यावरण मंजूरी और निजी भागीदारी का आकलन जरूरी है। भोपाल को उद्योग और माल ढुलाई, दोनों के विकास की साझा योजना चाहिए।

## जहांगीराबाद थाने में जब्ती के वाहनों में लगी आग, 5 कार और 1 स्कूटर जले

**भोपाल। दोपहर मेट्रो**

जहांगीराबाद थाना परिसर में खड़े जब्ती के वर्षों पुराने वाहनों में गुरुवार दोपहर को आग लग गई। हादसे में छह वाहन आग की चपेट में आ गए और जल गए। उधर भड़की आग को देखकर पुलिस ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। दमकल ने पहुंचकर तुरंत आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कुछ वाहन जल चुके थे। फिलहाल आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। जहांगीराबाद थाना पुलिस ने मामले में आगजनी कायम की है।

जहांगीराबाद थाना प्रभारी हरिकिशन लोरिया ने बताया कि थाने के सामने परिसर में लंबे समय से जब्ती के कंडम वाहन खड़े हैं। गुरुवार दोपहर करीब 12:15 बजे ग्राउंड के पास खड़ी कारों में आग लग गई थी। हादसे में पांच कारें और एक स्कूटर जल गई। पुलिस ने आग बुझाने का प्रयास किया और तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची दमकल ने आग पर काबू पाया।

भोपाल में सेहत से बड़ा खिलवाड़

## पनीर से लेकर दूध तक के सैंपल फेल 35 दुकानों पर केस दर्ज, भारी जुर्माना

**भोपाल। दोपहर मेट्रो**

राजधानी में लोगों की थाली तक पहुंच रहे खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। दूध, पनीर, क्रीम, घी से लेकर मिठाई और नमकीन तक जांच में कई खाद्य पदार्थ मानकों पर खरे नहीं उतरे। खाद्य सुरक्षा प्रशासन की प्रयोगशाला जांच में 35 प्रतिष्ठानों से जुड़े खाद्य नमूनों में अमानक और मिथ्या छाप के मामले सामने आए हैं। इनमें डेयरियों, होटल-रेस्टोरेंट, मिठाई दुकानों और किराना प्रतिष्ठानों के नाम शामिल हैं। दो दुकानों से लिए गए सोयाबीन तेल के नमूने प्रतिबंधित श्रेणी में पाए गए। अपर कलेक्टर न्यायालय में पिछले तीन महीनों के दौरान लंबित प्रकरणों की सुनवाई के बाद 6.50 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना लगाते हुए प्रकरण दर्ज किया है।

### पनीर पर बड़ा सवाल, दूध भी मानकों से बाहर

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्रवाई में पनीर के नमूने सबसे ज्यादा चर्चा में हैं। बावड़िया कला की कृष्णा डेयरी, खजूरी सड़क के जीत ढाबा, चूना भट्टी स्थित होटल श्री रेजिडेंसी, अयोध्या बायपास के शिव शंभू रेस्टोरेंट और एयरपोर्ट के होटल प्लाजा इन सहित कई प्रतिष्ठानों के पनीर के नमूने अमानक पाए गए।नीलबड़, कोलार, होशंगाबाद रोड, बैरसिया रोड और बागसेवनिया क्षेत्र के प्रतिष्ठान भी कार्रवाई के

दायरे में आए हैं। दूध की गुणवत्ता पर भी सवाल उठे हैं। कृष्णा दूध डेयरी, न्यू इंडियन डेयरी, राधे कृष्णा डेयरी, नेशनल डेयरी एंड स्वीट्स, महाकाल दूध डेयरी से संबंधित नमूनों में गड़बड़ी मिली। इसके अलावा नेशनल डेयरी की क्रीम और मनभावन किराना एंड जनरल स्टोर्स के घी का नमूना भी अमानक पाया गया है।

### मिठाई और नमकीन भी शक के घेरे में

रानी स्वीट की मावा कतली, राजोरिया होटल की मावा बर्फी, अजय बेकरी एंड स्वीट्स की मावा बर्फी, तन्वी इंटरप्राइजेज के नमकीन खुरमा और एमआईएमएस कैंटीन की पेटिस के नमूने मिथ्या छाप श्रेणी में पाए गए। गुप्ता पान मसाला स्टोर के मूंगफली दाने और कनक फैंसी जनरल एंड किराना स्टोर की लान्ग सेव के नमूने भी जांच में सवालों के घेरे में आए।

## खरीदी में गड़बड़ी पर 138 अधिकारियों-कर्मचारियों पर कार्रवाई, 38 अधिकारियों से वसूली के आदेश

**मप्र के नगरीय निकायों में वर्ष 2023 से अब तक हुई खरीदी के विश्लेषण के बाद कार्रवाई की गई है। 7 कर्मचारियों की सेवा समाप्त की गई, 76 की वेतनवृद्धि रोकी गई और 17 सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन से वसूली का निर्णय लिया गया।**

**भोपाल। दोपहर मेट्रो**

प्रदेश के नगरीय निकायों में खरीदी में गड़बड़ी की बात सामने आने पर सरकार ने उच्च स्तरीय जांच करने का निर्णय लिया है। वहीं, अभी तक 62 मामलों में अधिकारी-कर्मचारी जांच के घेरे में आए। 7 कर्मचारियों सेवा समाप्त की जा चुकी है तो 76 की वेतन वृद्धि रोकी गई। 17 सेवानिवृत कर्मचारियों की पेंशन से वसूली करने का निर्णय लिया गया है। 38 अधिकारियों से वसूली के आदेश दिए गए हैं। वहीं, 22 कर्मचारियों को जांच में आरोप प्रमाणित नहीं होने पर दोष मुक्त किया गया है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने विभाग अधिकारियों की कार्यशाला में नगरीय निकायों में होने वाली वित्तीय अनियमितताओं को रेखांकित किया था।

### वेतनवृद्धि रोकी, अधिकारियों से वसूली

- सतना जिले के कोटर में 3000 लीटर क्षमता का वॉटर टैंकर और ट्रैक्टर-ट्राली बाजार दर से अधिक कीमत पर खरीदने के मामले में उपमंत्री देवरत्न सोनी की वेतनवृद्धि रोकने के साथ एक लाख 45 हजार रुपये की वसूली के आदेश दिए गए।
- सिवनी में तत्कालीन सीएमओ पूजा बुनकर के दो वेतन वृद्धि रोकी।
- गुना में 20 कचरा वाहनों के स्थान पर केवल 10 खरीदे जाने के मामला सामने में वेतन वृद्धि रोकने की कार्रवाई की गई।
- शहडोल के ब्यौहारी में बाजार दर से अधिक भुगतान के मामले में राशि वसूलने के साथ महेंद्र मिश्रा व यशवंत वर्मा की वेतन वृद्धि रोकी।
- ग्वालियर में 32, शहडोल में 25, उज्जैन में 21, इंदौर में 21, जबलपुर में 15, भोपाल में 16 सहित अन्य संभागों में भी कार्रवाई की गई है।

अपर मुख्य सचिव का कहना है कि जहां कहीं भी गड़बड़ी प्रमाणित हुई है वहां कार्रवाई की गई है और आगे भी की जाएगी।

## पत्नी को कुल्हाड़ी से मारा पति ने खुद का रेता गला सुबह बच्चों ने देखे हालात

**भोपाल। दोपहर मेट्रो**

कोलार थाना क्षेत्र के अब्बास नगर में सुबह एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। पति ने सोते समय पत्नी के सिर पर कुल्हाड़ी से तीन वार किए और इसके बाद ब्लेड से खुद का गला रेत लिया। दोनों निजी अस्पताल में भर्ती हैं और उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने पति के विरुद्ध हत्या के प्रयास का प्रकरण दर्ज किया है। प्रारंभिक जांच में वारदात की वजह पत्नी के चरित्र पर संदेह बताई जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दोनों में रात में कहासुनी हो गई थी। इसके बाद काफी देर तक बहस होती रही। बच्चों के सो जाने के बाद मामला और गर्मा गया। इस पर दोनों के बीच मारपीट भी हो गई थी। पत्नी जब रात को सो गई तो पति ने गुस्से में उस पर सोते समय कुल्हाड़ी से हमला कर दिया।

## गाय को बचाने में ब्रिज की दीवार तोड़कर 20 फीट नीचे गिरा ट्राला

**भोपाल। दोपहर मेट्रो**

गांधीनगर क्षेत्र में एयरपोर्ट रोड पर शुक्रवार सुबह एक तेज रफ्तार ट्राला अनियंत्रित होकर ब्रिज की सीमेंट की दीवार तोड़ते हुए करीब 20 फीट नीचे सर्विस लेन पर जा गिरा। हादसे में चालक, हेल्पर और क्लीनर घायल हो गए। राहत की बात रही कि उस समय सर्विस लेन पर कोई वाहन या राहगीर मौजूद नहीं था, जिससे बड़ी दुर्घटना टल गई। टीआइ सुनील चतुर्वेदी ने बताया कि ट्राला गांधीनगर की ओर से परवलिया की ओर 10 लेन सड़क निर्माण के लिए लोडर माल खाली कर चांदुखेड़ी स्थित प्लांट लौट रहा था।

## प्रदेश के 500 से ज्यादा छात्र वाले कॉलेजों में बनेंगी एंटी-ड्रग समितियां

**भोपाल। दोपहर मेट्रो**

मध्यप्रदेश को मादक पदार्थों से मुक्त बनाने के लिए राज्य शासन के अनेक विभाग संयुक्त अभियान चलाये और शुरूआत में 500 से अधिक विद्यार्थी वाले उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षक, पालक, विद्यार्थी, उच्च शिक्षा, सामाजिक न्याय विभाग तथा पुलिस को समाहित कर एंटी ड्रग समितियों का गठन किया जाएगा। मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल मंत्रालय में पांचवी राज्य स्तरीय एनसीओआरडी बैठक में समीक्षा कर रहे थे। पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना सहित अनेक विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, विभागाध्यक्ष नार्कोटिक्स और पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

मुख्य सचिव श्री बर्णवाल ने

बैठक में कहा कि जिस प्रकार प्रदेश में नक्सलवाद को समाप्त किया गयाहै उसी प्रकार आगामी दो तीन वर्षों में अवैध मादक पदार्थों के संपूर्ण रैकेट को खत्म करने के लिए संबंधित विभाग गंम्भीरता पूर्वक ऐसा अभियान चलाए जिसका समाज के सभी वर्गों तक सपष्ट संदेश जाए। सभी विभाग त्रि-वर्षीय विशेष अभियान के लिए अपने आंतरिक लक्ष्य निर्धारित कर कार्य-योजना बनायेंगे। मुख्य सचिव ने ड्रग नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए सूचना तंत्र को सदृढ़ करने के साथ ही बेहतर समन्वय करने के निर्देश दिए।

**मेट्रो एंकर** भोपाल में आज से सजेगा स्वदेशी मेला: हस्तशिल्प, घरेलू सामान और देशी उत्पाद भी रहेंगे

# 200 स्टॉलों पर सजेंगे हाथ से बने उत्पादों के रंग

**भोपाल। दोपहर मेट्रो**

भोपाल के एमवीएम ग्राउंड में शनिवार से स्वदेशी मेला सजेगा। इस मेले में देशभर के स्वदेशी उत्पादों, हस्तशिल्प, दैनिक उपयोग की वस्तुओं, स्थानीय उद्योगों और स्टार्टअप्स के 200 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे। मेले में खरीदारी के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम और विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

स्वदेशी जागरण मंच और स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस मेले से स्थानीय उत्पादों को व्यापक बाजार मिलेगा। शुक्रवार को मेले की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। आयोजकों के मुताबिक, मेले में कारीगरों, बुनकरों, शिल्पकारों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री का

अवसर मिलेगा। इसके जरिए युवाओं, महिलाओं और नए उद्यमियों को भी स्वरोजगार व उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

हर दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम, बच्चों की प्रतियोगिताएं भी 12 दिन चलने वाले मेले में प्रतिदिन सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। स्कूली बच्चों के कार्यक्रम के अलावा युवाओं को स्वदेशी विचार से जोड़ने के लिए नाटक और नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। आयोजकों का कहना है कि इन गतिविधियों के जरिए नई पीढ़ी को भारतीय कला, संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के साथ स्वदेशी उत्पादों के प्रति जागरूक किया जाएगा।

1991 में हुई थी स्वदेशी जागरण मंच की स्थापना स्वदेशी जागरण मंच की स्थापना 22 नवंबर 1991 को नागपुर में हुई थी। मंच स्वदेशी विचार को आगे बढ़ाने के लिए देशभर में गतिविधियां आयोजित करता है। आयोजकों के अनुसार, वर्ष 1999 में दिल्ली से शुरू हुई स्वदेशी मेलों की श्रृंखला के तहत अब तक देशभर में 100 से अधिक आयोजन हो चुके हैं। भोपाल का मेला भी इसी क्रम में आयोजित किया जा रहा है।

## इंदौर में सेमीकंडक्टर समिट-2026

# प्रदेश को टेक्नोलॉजी हब बनाने पर जोर

**इंदौर।** मध्यप्रदेश में सेमीकंडक्टर उद्योग को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर समिट-2026 का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि समिट के माध्यम से प्रदेश को लगभग 5,800 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनसे 10 हजार से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक हजार से अधिक प्रतिनिधियों की भागीदारी और जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान तथा स्वीडन के प्रतिनिधिमंडलों की मौजूदगी प्रदेश में सेमीकंडक्टर क्षेत्र के प्रति बढ़ती वैश्विक रुचि को दर्शाती है।

**दो दिन तक तकनीक और निवेश पर मंथन|** दो दिवसीय समिट में सेमीकंडक्टर उद्योग से जुड़े विभिन्न विषयों पर आठ पैनल चर्चाएं, पांच राउंडटेबल बैठकें और छह की-नोट उद्बोधन आयोजित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर नीति-2026 पर हितधारकों के साथ चर्चा और एमपी सेमीकॉन स्टार्टअप चैलेंज भी कार्यक्रम का हिस्सा हैं।

## सिंहस्थ 2028 की तैयारी : 60 दिन में 40 करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान

# 15 जिलों में 16 हजार हेक्टेयर में होगी सब्जी-फूलों की खेती, 20 हजार किसानों को जोड़ने का है लक्ष्य

**उज्जैन, दोपहर मेट्रो**

सिंहस्थ 2028 में करोड़ों श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को देखते हुए मध्य प्रदेश सरकार ने खाद्य सामग्री और पूजन में इस्तेमाल होने वाले फूलों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की तैयारी शुरू कर दी है। इतने बड़े आयोजन के दौरान सब्जियों और फूलों की मांग में भारी बढ़ोतरी होने की संभावना है। इसे ध्यान में रखते हुए उद्यानिकी विभाग ने दो साल का रोडमैप तैयार किया है। इसके तहत प्रदेश के 15 जिलों में 16 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सब्जियों और फूलों का अतिरिक्त उत्पादन करने की योजना है। इस पहल के जरिए करीब 20 हजार किसानों को जोड़कर मांग के अनुरूप खेती को बढ़ावा दिया जाएगा।

सिंहस्थ के 60 दिनों में करीब 40 करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। इस हिसाब से प्रतिदिन औसतन 66.67 लाख श्रद्धालुओं की आवाजाही हो सकती है। इतनी बड़ी संख्या में लोगों के लिए भोजन और धार्मिक गतिविधियों की व्यवस्था करना चुनौतीपूर्ण होगा। हालांकि, सब्जियों की वास्तविक मांग श्रद्धालुओं के ठहरने, भोजन व्यवस्था और खपत के स्वरूप पर निर्भर करेगी। इसी को देखते हुए उत्पादन और आपूर्ति की पहले से योजना बनाने पर जोर दिया जा रहा है। उद्यानिकी विभाग के प्रस्ताव के अनुसार, 16 हजार हेक्टेयर में अतिरिक्त उत्पादन विकसित किया जाएगा। इसमें 8 हजार हेक्टेयर में सब्जियों और 8 हजार हेक्टेयर में फूलों की खेती को बढ़ावा देने की योजना है। इसके लिए करीब 20 हजार किसानों को चिह्नित किया जा रहा है। योजना के तहत क्लस्टर आधारित मॉडल अपनाया जाएगा। इसमें एक क्षेत्र के किसान मांग के अनुसार निर्धारित फसलों का योजनाबद्ध तरीके से उत्पादन करेंगे।

### 15 जिलों से उज्जैन तक पहुंचेगी उपज

सिंहस्थ के दौरान सब्जियों और फूलों की पूरी जरूरत केवल उज्जैन जिले से पूरी करना संभव नहीं होगा। इसलिए उद्यानिकी विभाग ने 15 जिलों को जोड़कर उत्पादन और आपूर्ति का नेटवर्क तैयार करने की योजना बनाई है। इसमें किसानों से उपज एकत्र करने, ग्रेडिंग, पैकिंग और परिवहन तक की व्यवस्था को व्यवस्थित किया जाएगा। इस नेटवर्क से अलग-अलग जिलों में संभावित उत्पादन की जानकारी पहले से उपलब्ध रहेगी। किसी क्षेत्र में उत्पादन कम होने पर दूसरे जिलों से आपूर्ति बढ़ाने की गुंजाइश भी रहेगी। इससे किसी एक क्षेत्र पर निर्भरता कम करने और आयोजन के दौरान नियमित उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

### सात जिलों में सब्जियों के उत्पादन पर फोकस

सब्जियों के अतिरिक्त उत्पादन के लिए उज्जैन संभाग के उज्जैन, आगर-मालवा, शाजापुर, देवास, रतलाम, नीमच और मंदसौर जिलों को शामिल करने का प्रस्ताव है। इन जिलों में दो साल के भीतर 8 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में हाइब्रिड सब्जियों का उत्पादन बढ़ाने की योजना है। किसानों को आधुनिक खेती की तकनीक, फसल चयन और उत्पादन प्रबंधन का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

### आठ जिलों में फूलों की खेती

सिंहस्थ में मंदिरों, अखाड़ों, आश्रमों, धार्मिक शिविरों और श्रद्धालुओं की पूजा के लिए फूलों की मांग भी बढ़ेगी। इसके लिए उज्जैन, इंदौर, देवास, आगर-मालवा, खंडवा, छतरपुर, मैहर और दतिया में 8 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में फूलों की खेती विकसित करने का प्रस्ताव है। उज्जैन में गेंदा उत्पादन को विशेष रूप से बढ़ावा देने की योजना है। इसके तहत करीब 4,200 हेक्टेयर क्षेत्र में गेंदा उत्पादन के लिए 25 क्लस्टर और 240 गांवों को जोड़ने का प्रस्ताव है। वहीं, गुलाब की खेती का रकबा बढ़ाकर 250 हेक्टेयर से अधिक करने की तैयारी है। आधुनिक तकनीक और किसानों के प्रशिक्षण के लिए करीब 19 एकड़ में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर फ्लोरीकल्चर विकसित करने की योजना भी बनाई गई है।

### खेत से मेला क्षेत्र तक उपज पहुंचाना होगी असली परीक्षा

उत्पादन बढ़ाने के साथ सबसे बड़ी चुनौती सब्जियों को समय पर उपभोक्ताओं तक पहुंचाने की होगी। जल्दी खराब होने वाली सब्जियों के लिए संग्रहण केंद्र, ग्रेडिंग, पैकिंग और जरूरत के अनुसार कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्था जरूरी होगी। इसके अलावा तेज परिवहन और मांग-आपूर्ति का डिजिटल रिकॉर्ड भी महत्वपूर्ण रहेगा। यदि उत्पादन, भंडारण और परिवहन के बीच बेहतर तालमेल स्थापित होता है, तो सिंहस्थ के दौरान सब्जियों और फूलों की उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

## मप्र में प्राचार्यों के हजारों पद खाली

# 2 महीने बाद भी 196 पदोन्नत व्याख्याताओं की पोस्टिंग नहीं

### रिटायरमेंट के करीब पहुंचे शिक्षकों को नई पदस्थापना का इंतजार

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मध्य प्रदेश के हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों में प्राचार्यों के पद रिक्त होने के बावजूद पदोन्नत व्याख्याताओं की पदस्थापना के आदेश दो महीने बाद भी जारी नहीं किए गए हैं। इससे विद्यालयों की प्रशासनिक एवं शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है। वहीं, दूसरी ओर पदोन्नति मिलने के बाद भी शिक्षक अपने नए पद का दायित्व संभालने से वंचित हैं। पदस्थापना में हो रही इस अनावश्यक देरी से शिक्षकों में नाराजगी बढ़ रही है। उधर, जनजातीय कार्य विभाग ने भी एक दिन पहले 272 शिक्षकों की पदोन्नति सूची जारी की है।

स्कूल शिक्षा विभाग ने 25 अगस्त को आदेश जारी कर 196 व्याख्याताओं को प्राचार्य पद पर पदोन्नत किया था। इन पदोन्नत शिक्षकों को अब तक हाईस्कूल प्राचार्य के रूप में पदस्थ करने के आदेश जारी नहीं हुए हैं। इन्हें अपनी नई पदस्थापना का इंतजार है, लेकिन लोक शिक्षण आयुक्त कार्यालय ने अब तक पदस्थापना के आदेश जारी नहीं किए हैं। मध्यप्रदेश अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं शासकीय शिक्षक संगठन मध्यप्रदेश के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र कौशल ने कहा कि प्रदेश में प्राचार्यों के हजारों पद रिक्त हैं और व्याख्याताओं को पदोन्नति भी दी जा चुकी है। इसके बावजूद दो महीने बीत जाने पर भी पदस्थापना के आदेश जारी नहीं होना समझ से परे है। विभागीय प्रक्रिया में हो रहे विलंब के कारण पदोन्नत शिक्षक अपने नए पद का दायित्व संभालने के अवसर की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

### पोस्टिंग नहीं होने से पदोन्नति के लाभ से वंचित

कौशल ने कहा कि प्राचार्यों के पद रिक्त रहने से विद्यालयों की प्रशासनिक निगरानी, शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन तथा संस्थागत व्यवस्थाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई है। वहीं, पदोन्नति की प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी पदस्थापना के आदेश जारी नहीं होने से शिक्षकों को पदोन्नति का वास्तविक लाभ समय पर नहीं मिल पा रहा है। सेवानिवृत्ति के करीब पहुंचे शिक्षकों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। उन्होंने स्कूल शिक्षा विभाग से मांग की कि पदोन्नत व्याख्याताओं की पदस्थापना के आदेश तत्काल जारी किए जाएं तथा सेवानिवृत्ति के करीब पहुंचे शिक्षकों के मामलों को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही, प्राचार्यों के रिक्त पदों को भरने की लंबित प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाए, ताकि विद्यालयों में प्रशासनिक एवं शैक्षणिक

## बंजारा डैम, किला और वार्ड-10 में बनेंगे एसटीपी

# 18 करोड़ से संवरेगी शीप नदी की सूरत, सीवर ट्रीटमेंट प्लांट से रुकेगा गंदे नालों का पानी

**श्योपुर, दोपहर मेट्रो**

गंदे नालों की गंदगी डाले जाने से दुर्दशा का शिकार हो रही श्योपुर की जीवनदायिनी सीप नदी की सूरत 18 करोड़ रुपये की लागत से संवारी जाएगी। नदी को गंदे नालों और कचरे के दंश से मुक्ति दिलाने के लिए शहर के तीन अलग-अलग स्थानों पर तीन सीवर ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किए जाएंगे। प्लांटों की मदद से नालों के दूषित पानी को उपचारित करने के बाद ही नदी में प्रवाहित किया जाएगा। परियोजना के लिए टेंडर जारी हो चुके हैं और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है।

**नदी पर लगातार बढ़ता जा रहा है अपशिष्ट का दबाव-** यहां बता दें कि, श्योपुर शहर में आबादी बढ़ने के साथ घरेलू गंदे पानी और नालों से आने वाले अपशिष्ट का दबाव नदी पर लगातार बढ़ता जा रहा है। नतीजतन, स्वच्छ जलधारा के बजाय इसके कई हिस्से गंदगी से प्रभावित होने लगे हैं। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए अब नगर पालिका श्योपुर सीवर ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) स्थापित करने की योजना पर काम आगे बढ़ाया जा रहा है।

### नालों का पानी सीधे नदी में नहीं पहुंचेगा वल्कि फिल्टर करके डाला जाएगा

वर्तमान समय में शहर के विभिन्न हिस्सों से निकलने वाला दूषित पानी नालों के जरिए शीप नदी तक पहुंच रहा है। इससे जल की गुणवत्ता प्रभावित होने के साथ नदी के प्राकृतिक स्वरूप पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। प्रस्तावित व्यवस्था में गंदे पानी को उपचारित करने के लिए संबंधित प्लांट तक पहुंचाया जाएगा। वहां आवश्यक प्रक्रिया से गुजरने के बाद ही पानी नदी में छोड़ा जाएगा। इससे अनुपचारित अपशिष्ट का प्रवाह रोकने और प्रदूषण का दबाव कम करने में मदद मिलेगी।

### तीन स्थानों पर बनेंगे प्लांट

परियोजना के तहत शहर में तीन स्थानों पर प्लांट बनाए जाएंगे। इनमें बंजारा डैम, किले के निचले इलाके और वार्ड क्रमांक 10 को शामिल किया गया है। इन इकाइयों के निर्माण पर कुल 18 करोड़ रुपये खर्च किए जाने की योजना है। नगर पालिका ने इसके लिए टेंडर जारी कर दिए हैं। जल्द निर्माण शुरू होने की संभावना है।

## जीतू पटवारी ने चार संभागों की टटोली नब्ज

# कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की कवायद तेज

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मध्य प्रदेश में कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने और आगामी राजनीतिक रणनीति को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, भोपाल में चार संभागों की संगठनात्मक समीक्षा बैठक ली। बैठक में जबलपुर, सागर, नर्मदापुरम और इंदौर संभाग के संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा करते हुए जिला, विधानसभा और बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने पर जोर दिया गया। बैठक में संगठन महामंत्री संजय कामले, प्रदेश महासचिव गौरव रघुवंशी सहित संबंधित संभागों के जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, विधानसभा प्रभारी और अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

### संगठनात्मक समन्वय और जनसंपर्क बढ़ाने पर जोर

समीक्षा बैठक में पार्टी की रणनीति को जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से लागू करने और संगठन के विभिन्न स्तरों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने पर विशेष ध्यान दिया गया। जिला एवं विधानसभा स्तर पर चल रही गतिविधियों की समीक्षा के साथ पदाधिकारियों को अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने तथा निर्धारित कार्ययोजना के अनुरूप कार्यों में तेजी लाने पर चर्चा हुई।

## अप्रैल-मई 2027 में हो सकते हैं पंचायत चुनाव

# ग्रामसभा के अधिकार समितियों को देगी सरकार निगमों की तरह पंचायतें भी लगा सकेंगी टैक्स

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मध्यप्रदेश में पंचायत चुनाव अप्रैल-मई 2027 में हो सकते हैं। डॉ. मोहन यादव सरकार प्रदेश की करीब 23 हजार पंचायतों का कार्यकाल पूरा होने से एक-दो महीने पहले चुनाव कराने की तैयारी कर रही है। चुनाव से पहले पंचायत राज व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी भी है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा- ग्राम सभा के अधिकार पंचायत समितियों को दिए जाएंगे। सरकार नवंबर तक नई व्यवस्था लागू करने की तैयारी में है। इसके अलावा पंचायतों को नगरपालिका की तरह टैक्स लगाने का अधिकार देने की दिशा में भी काम हो रहा है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने बालाघाट जिले के वारासिवनी जनपद की ग्राम पंचायत गर्रा में सरपंच सम्मेलन के दौरान ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि आगामी पंचायत चुनाव कार्यकाल पूरा होने से एक या दो महीने पहले कराए जाएंगे, ताकि नई पंचायतों को समय पर कार्यभार सौंपने की प्रक्रिया पूरी हो सके।

### नवंबर तक लागू कर सकती है सरकार

सरकार नवंबर तक यह बदलाव लागू करना चाहती है। ग्राम सभा गांव के विकास कार्यों, सरकारी योजनाओं और स्थानीय मुद्दों पर चर्चा करने के साथ कई फैसलों में अहम भूमिका निभाती है। ऐसे में उसके अधिकार पंचायत समितियों को देने का प्रस्ताव पंचायत राज व्यवस्था में बड़ा बदलाव होगा। सरकार पंचायतों को नगरपालिका की तरह टैक्स लगाने का अधिकार देने की दिशा में काम कर रही है।

**मेट्रो एंकर** | तेंदुपत्ता संग्राहकों के बच्चों की शिक्षा को संबल दे रही एकलव्य शिक्षा छात्रवृत्ति योजना

# 2,216 विद्यार्थियों को मिली 2.77 करोड़ की आर्थिक मदद

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मध्यप्रदेश में तेंदूपत्ता संग्रहण से जुड़े जनजातीय एवं वनांचल क्षेत्रों के परिवारों के बच्चों को शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार एकलव्य शिक्षा छात्रवृत्ति योजना के माध्यम से आर्थिक सहायता दे रही है। वर्ष 2025-26 में योजना के तहत 2,216 विद्यार्थियों को कुल 2 करोड़ 77 लाख 16 हजार रुपये की छात्रवृत्ति वितरित की गई। अब वर्ष 2026-27 में इसके लिए 5 करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इससे अधिक पात्र विद्यार्थियों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

**छात्रवृत्ति बजट में करीब 80 प्रतिशत की बढ़ोतरी-** योजना के तहत पिछले वर्ष 1,180 छात्र और 1,036 छात्राएं लाभान्वित हुईं। छात्राओं की भागीदारी कुल लाभार्थियों में लगभग 47 प्रतिशत रही। वर्ष 2026-27 के लिए 5 करोड़ रुपये का लक्ष्य पिछले वर्ष वितरित राशि से करीब 80 प्रतिशत अधिक है। बजट में इस बढ़ोतरी का उद्देश्य वन आधारित आजीविका से जुड़े परिवारों के बच्चों को आगे की पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करना है।

**कक्षा 9वीं से उच्च शिक्षा तक आर्थिक मदद-** एकलव्य शिक्षा छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत कक्षा 9वीं से 12वीं तक तथा महाविद्यालयों में पढ़ने वाले पात्र विद्यार्थियों को निर्धारित नियमों के अनुसार छात्रवृत्ति दी जाती है। शिक्षण सत्र 2022-23 से लागू दरों के अनुसार कक्षा 9वीं और 10वीं के विद्यार्थियों को अधिकतम 15 हजार रुपये, कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को 18 हजार रुपये, गैर-तकनीकी स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए 25 हजार रुपये और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए अधिकतम 60 हजार रुपये तक सहायता का प्रावधान है।

पात्रता के लिए पिछले पांच वर्षों में कम से कम तीन वर्षों तक प्रत्येक वर्ष एक मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहण की शर्त सहित निर्धारित शैक्षणिक मानदंड लागू हैं। वास्तविक छात्रवृत्ति राशि पात्रता और योजना के नियमों के आधार पर निर्धारित होती है।

### शहडोल संभाग के विद्यार्थियों को भी मिला लाभ

विभागीय जानकारी के अनुसार, वर्ष 2024-25 में शहडोल जिले के 130 विद्यार्थियों के लिए 18 लाख 35 हजार रुपये आवंटित किए गए। वहीं, उत्तर एवं दक्षिण शहडोल सहित उमरिया, अनूपपुर, सतना और सीधी के छह वनमंडलों के 362 विद्यार्थियों के लिए 25 लाख 27 हजार रुपये आवंटित हुए। तेंदूपत्ता संग्रहण वनांचल के अनेक परिवारों की आजीविका का प्रमुख साधन है। ऐसे परिवारों के बच्चों को आर्थिक सहायता मिलने से पढ़ाई का खर्च उठाने में मदद मिलती है और उच्च शिक्षा तक पहुंचने के अवसर बढ़ते हैं। योजना का लाभ पात्र विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों और पात्रता संबंधी जानकारी का समय पर प्रसार जरूरी है। वर्ष 2026-27 में छात्रवृत्ति का लक्ष्य बढ़ने से उम्मीद है कि अधिक विद्यार्थी अपनी पढ़ाई जारी रख सकेंगे और आर्थिक परिस्थितियां उनकी शिक्षा में बाधा नहीं बनेंगी।

## मुनाफे का बाजार

बीमारी जब किसी घर का दरवाजा खटखटाती है, तो परिवार की पहली चिंता मरीज को बचाने की होती है। लेकिन कैंसर जैसी गंभीर बीमारी में जीवन बचाने की जद्दोजहद के साथ आर्थिक अस्तित्व का संघर्ष भी शुरू हो जाता है। जमा पूंजी खर्च होती है, कर्ज लेना पड़ता है और वर्षों की मेहनत इलाज के बिलों में सिमट जाती है। सवाल यह है कि क्या स्वस्थ जीवन पाने का अधिकार इतना महंगा होना चाहिए कि मरीज बीमारी से लड़ते-लड़ते आर्थिक रूप से भी टूट जाए? सुप्रीम कोर्ट में दवाओं की कीमतों पर चल रही सुनवाई ने इसी गंभीर सवाल को सामने रखा है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने स्पष्ट किया कि व्यावसायिक हितों को जनता के किफायती इलाज के अधिकार से ऊपर नहीं रखा जा सकता। इसके बाद केंद्र सरकार ने कैंसररोधी महत्वपूर्ण दवाओं के ट्रेड मार्जिन पर 30 प्रतिशत की सीमा लागू करने की पहल की है। अदालत के सामने एक कार्डियक स्टेंट का उदाहरण आया, जिसकी खरीद लागत 5,000 रुपये बताई गई, जबकि उसका अधिकतम खुदरा मूल्य 25,000 रुपये था। कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में जांच के दौरान कुछ दवाओं और चिकित्सा सामग्रियों की कीमतें खरीद लागत से क्रमशः 52 और 67 गुना तक अधिक पाई गईं। ये आंकड़े उस व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हैं, जिसमें मरीज अक्सर कीमतों की पड़ताल करने की स्थिति में नहीं होता। अस्पताल में भर्ती मरीज दवाओं, जांच और चिकित्सा सामग्री के लिए काफी हद तक अस्पताल पर निर्भर रहता है। ऐसे में पारदर्शिता कोई अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि उसका बुनियादी अधिकार है। केवल दवाओं के ट्रेड मार्जिन पर सीमा लगाना पर्याप्त नहीं होगा। अस्पताल कमरे का किराया, जांच शुल्क या इलाज के पैकेज की दरें बढ़ाकर इसकी भरपाई कर सकते हैं। क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट अधिनियम, 2010 में संस्थानों के पंजीकरण, न्यूनतम मानकों और दरों के प्रदर्शन का प्रावधान है, लेकिन प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी चुनौती है। अस्पतालों को बेहतर सुविधाओं के लिए संसाधन चाहिए, लेकिन मरीज की मजबूरी असीमित कमाई का अवसर नहीं बननी चाहिए। स्वास्थ्य व्यवस्था की असली कसौटी आधुनिक इमारतें नहीं, बल्कि जरूरतमंद को किफायती इलाज उपलब्ध कराना है। बीमारी से लड़ते परिवार को उम्मीद चाहिए, कर्ज का अंतहीन बोझ नहीं।

संयुक्त राष्ट्र दिवस पर विशेष

# बदलती दुनिया और 81 साल बाद भी अधूरी संयुक्त राष्ट्र की शांति-प्रतिज्ञा

**योगेश कुमार गोयल**
स्तंभकार

दुनिया के 50 देशों ने वर्ष 1945 में मिलकर संयुक्त राष्ट्र अधिकार पत्र पर हस्ताक्षर कर संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन किया था, जिसके बाद से प्रतिवर्ष 24 अक्तूबर को संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया जाता है। दरअसल द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को अधिक समतापूर्ण और न्यायोचित बनाने के लिए एक नए संगठन की स्थापना का विचार उभरा था, जो पांच राष्ट्रमंडल सदस्यों तथा आठ यूरोपीय निर्वासित सरकारों द्वारा 12 जून 1941 को लंदन में हस्ताक्षरित अंतर-मैत्री उद्घोषणा में पहली बार सार्वजनिक रूप से अभिव्यक्त हुआ था। उस उद्घोषणा के अंतर्गत एक स्वतंत्र विश्व के निर्माण हेतु कार्य करने का आव्हान किया गया था, जिसमें लोग शांति और सुरक्षा के साथ भयमुक्त वातावरण में रह सकें तथा निजीकरण एवं आर्थिक सहयोग के मार्ग की खोज कर सकें। उसके बाद 1944 में सोवियत संघ, अमेरिका, चीन तथा ब्रिटेन के प्रतिनिधियों द्वारा वाशिंगटन के डम्बर्टन ओक्स एस्टेट में कई बैठकों के आयोजन के बाद एक शांतिरक्षक वैश्विक संस्था बनाने की रूपरेखा तैयार की गई, जिसके आधार पर 50 देशों के प्रतिनिधियों के बीच 1945 में बातचीत हुई और 26 जून 1945 को सभी 50 देशों द्वारा चार्टर पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद यह चार्टर 24 अक्तूबर 1945 से प्रभावी हो गया। तभी से प्रतिवर्ष 24 अक्तूबर को 'संयुक्त राष्ट्र दिवस' मनाया जाने लगा।

अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों में हस्तक्षेप करने के उद्देश्य से स्थापित करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ को इतनी शक्तियां प्रदान की गई कि वह अपने सदस्य देशों की सेनाओं को विश्व शांति के लिए कहीं भी तैनात कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से ही दुनिया के अनेक देश इसके साथ जुड़ते गए और 50 सदस्यों के साथ शुरू हुए इस वैश्विक संघ के सदस्य देशों की संख्या अब 193 हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की संरचना में सुरक्षा परिषद वाले सबसे शक्तिशाली देश थे अमेरिका, फ्रांस, रूस तथा यूनाइटेड किंगडम, जिनकी द्वितीय विश्वयुद्ध में अहम भूमिका थी। संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्य उद्देश्यों में युद्ध रोकना, मानवाधिकारों की रक्षा करना, सभी देशों के बीच मित्रवत संबंध कायम करना, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों को निभाने की प्रक्रिया जुटाना, सामाजिक एवं आर्थिक विकास, निर्धन तथा भूखे लोगों की सहायता करना, उनका जीवन स्तर सुधारना, बीमारियों से लड़ना इत्यादि शामिल हैं और इन उद्देश्यों को निभाने के लिए 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा प्रमाणित की गई। हालांकि विड़म्बना है कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के इन 81 वर्षों में यह वैश्विक संस्था अब धीरे-धीरे अपनी प्रासंगिकता खोने लगी है। दरअसल बीते 81 वर्षों से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अर्थव्यवस्था, हथियार, मीडिया, समाज, मुद्रा तथा समाज से संबंधित तमाम नीतियां इसके पांच स्थायी सदस्य देशों ब्रिटेन, अमेरिका, चीन, रूस तथा फ्रांस के राष्ट्रीय हितों के अनुरूप ही निर्धारित की जाती रही हैं, जिस कारण ऐसी नीतियों का खामियाजा भारत के अलावा जापान, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, इजरायल, दक्षिण कोरिया, ब्राजील, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे कई अन्य देशों को भुगतना पड़ा है, जो संयुक्त राष्ट्र महासभा की स्थायी सदस्यता के लिए तमाम मानदंडों को पूरा करने के बाद भी दशकों से सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य बनने के लिए प्रयासरत हैं।

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के आठ दशकों में विश्व के सामरिक और आर्थिक समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं लेकिन इतना लंबा समय बीत जाने और तमाम वैश्विक समीकरण पूर्ण रूप से बदल जाने के बावजूद वीटो अधिकार वाले पांचों स्थायी सदस्यों में से कोई भी अपने वीटो अधिकार और स्थायी सीट को छोड़ने को तैयार नहीं है। हालांकि स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर संयुक्त राष्ट्र में आम सहमति है लेकिन चीन को खासकर एशिया से वीटो अधिकार वाले सदस्यों की संख्या बढ़ाना किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं है, जहां स्थायी सदस्यता के दोनों दावेदारों (भारत और जापान) पर वह विभिन्न कारणों से संदेह करता है। भारत ने जिस चीन को मान्यता देने में पहल की थी और सुरक्षा परिषद में उसकी स्थायी सीट को सिद्धांत के तौर पर लेने से मना कर दिया था, आज वही चीन भारत की स्थायी सदस्यता के मार्ग में रोड़े अटका रहा है। भारत चीन के वीटो पावर के कारण ही सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य नहीं बन पा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र संघ की सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित किए जाने वाले प्रस्ताव बाध्यकारी प्रकृति के नहीं होते। आश्चर्य की बात है कि महासभा में 193 सदस्य देशों द्वारा पारित किए जाने वाले प्रस्ताव भी सुरक्षा परिषद के 5 स्थायी सदस्यों की सहमति पर ही निर्भर करते हैं। इसीलिए अनेक देशों द्वारा इसमें सुधार किए जाने की मांग बीते कई वर्षों से निरंतर की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी की वकालत करते हुए कह चुके हैं कि नई ताकतों को केन्द्रीय भूमिका में लाए बिना दुनिया की यह सबसे बड़ी पंचायत स्वयं से की जाने वाली अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पाएगी। दुनिया के कई देश बार-बार कहते रहे हैं कि संयुक्त राष्ट्र का ढ़ांचा अब पुराना पड़ चुका है और इसकी स्थापना के समय जो परिस्थितियां थी, वे अब बहुत पुरानी हो चुकी हैं। इसलिए यदि यह वैश्विक संस्था अपने भीतर समयानुकूल सुधार नहीं लाती है तो कालांतर में यह महत्वहीन होती चली जाएगी।

रूस-यूक्रेन युद्ध हो या इजरायल-फिलस्तीन अथवा अमेरिका-ईरान युद्ध, इन संघर्षों में दोनों ही पक्षों के हजारों बेगुनाह लोग मारे जा रहे हैं, हजारों परिवार उजड़ चुके हैं, लाखों की आबादी पलायन की त्रासदी से जूझ रही है, शहर के शहर मलबे में तब्दील हो रहे हैं लेकिन संयुक्त राष्ट्र संघ इन संघर्षों को रोकने के लिए कुछ नहीं कर सका है। इसीलिए दुनिया में जगह-जगह युद्ध टालने के लिए संयुक्त राष्ट्र की ओर से ठोस योजनाओं पर अमल किए जाने की जरूरत महसूस होती रही है क्योंकि इस वैश्विक संस्था का गठन ही दुनिया में अमन-चैन कायम रखने के उद्देश्य के साथ किया गया था लेकिन चिंता की बात है कि इन युद्धों में उसकी निष्क्रियता समूची मानव सभ्यता पर भारी पड़ रही है। भीषण होते इन युद्धों के कारण दुनिया अब दो धड़ों में बंटती जा रही है और संयुक्त राष्ट्र के अधिकांश सदस्य देश भी अब केवल बयान जारी करने से आगे नहीं बढ़ रहे। बहरहाल, यदि अभी भी संयुक्त राष्ट्र के पुनर्गठन की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ती है तो यह संस्था आने वाले समय में अपना महत्व खो देगी। सही मायनों में दुनिया की इस सबसे बड़ी पंचायत को अब गंभीर आत्ममंथन की जरूरत के साथ पर्याप्त सुधारों की सख्त दरकार है।

**-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

# महिलाओं के खिलाफ लगातार बढ़ते अपराध, राष्ट्रीय राजधानी सबसे असुरक्षित

**मनोज कुमार अग्रवाल**
स्तंभकार

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों और वारदातों पर हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते बलात्कार और यौन उत्पीड़न की घटनाओं पर स्वतः संज्ञान लिया है। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस, गृह मंत्रालय और एमसीडी को नोटिस जारी कर 4 सप्ताह के भीतर विस्तृत सुरक्षा ऑडिट रिपोर्ट मांगी है। आपको बता दें कि दक्षिण दिल्ली के आस्था कुंज पार्क में बंदूक की नोक पर पुलिसकर्मी बनकर 17 वर्षीय लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं, जिसके बाद विरोध प्रदर्शन तेज हो गए हैं। इससे पहले दिल्ली के स्वरूप नगर इलाके में एक किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने के बाद उसकी निर्मम हत्या कर दी गई।

इसके अलावा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के ग्रेटर नोएडा से दिल्ली आ रही एक चलती स्लीपर बस के भीतर एक और नाबालिग लड़की का यौन उत्पीड़न किया गया। एक हालिया अध्ययन के अनुसार, दिल्ली में सड़क, मेट्रो और बसों में महिलाओं से छेड़खानी और यौन उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे महिलाएं डर के मारे अपने सफर का समय और मार्ग बदलने को मजबूर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि केवल वारदात होने के बाद आरोपियों को गिरफ्तार करना पर्याप्त नहीं है; पुलिस का मुख्य काम अपराध होने से रोकना होना चाहिए। कोर्ट ने रात के समय महिलाओं की सुरक्षा, प्रमुख स्थानों पर पर्याप्त रोशनी, सीसीटीवी निगरानी और पुलिस गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

एनसीआरबी के हालिया डेटा के मुताबिक, देश के सभी महानगरों की तुलना में दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ अपराध और बलात्कार के मामले सबसे अधिक दर्ज किए जा रहे हैं, जिसके कारण यह लगातार असुरक्षित शहरों की सूची में ऊपर बना हुआ है। हाल ही में दिल्ली पुलिस मुख्यालय के बाहर विभिन्न महिला संगठनों और कार्यकर्ताओं ने महिलाओं और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित यौन हिंसा एवं उत्पीड़न के मामलों में जवाबदेही और सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन भी किए हैंदेश की राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के आस-पास के क्षेत्र जिसे एन.सी.आर. भी कहा जाता है, में महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा उभर कर बार-बार सामने आ रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस क्षेत्र में विगत दिवस नाबालिग लड़कियों और महिलाओं के साथ हुए अपराधों से संबंधित समाचारों का स्वयं ही गम्भीर संज्ञान लेते हुए कड़ी टिप्पणियां की थीं। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि राष्ट्रीय राजधानी के आस-पास घटित होती ऐसी घटनाएं कानून लागू करने वाली एजेंसियों की विफलता को दर्शाती हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने विशेष रूप से इस संबंध में दिल्ली के आस्था कुंज पार्क में 17 वर्षीय लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म, दिल्ली के स्वरूप नगर क्षेत्र में कथित सामूहिक दुष्कर्म के उपरांत नाबालिग लड़की की हत्या और चलती स्लीपर बस में एक और नाबालिग लड़की के कथित शारीरिक शोषण आदि से संबंधित समाचारों का संज्ञान लिया था। इस मामले के संबंध में जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद की पीठ ने सुनवाई करते हुए टिप्पणी की थी कि घटित उपरोक्त घटनाओं की तुलना 2012 में दिल्ली में घटित हुए निर्भया कांड से की जा सकती है। उन्होंने कहा कि बड़ा सवाल यह है कि निर्भया कांड के बाद अब तक भी कानून व्यवस्था में कोई सुधार हुआ है या नहीं? उन्होंने यह भी कहा कि इन घटनाओं से एक बार फिर कानून लागू करने वाली एजेंसियों और सिविल प्रशासन की विफलता सामने आई है और सिस्टम लोगों को मूलभूत सुरक्षा मुहैया करने में विफल होता दिखाई दे रहा है। माननीय न्यायाधीशों ने यह भी कहा था कि दिल्ली के पार्कों, सड़कों, बसें, मैट्रो स्टेशनों, भूमिगत रास्तों और पैदल चलने वाले स्थानों विशेष रूप से जिन क्षेत्रों में रात को रोशनी कम होती है, को जोखिम वाले क्षेत्र बनने की इजाज़त नहीं दी जा सकती है। निःसंदेह सर्वोच्च न्यायालय के उपरोक्त न्यायाधीशों द्वारा दिल्ली और उसके आस-पास के क्षेत्र में महिलाओं की असुरक्षा संबंधी की गई टिप्पणियां बेहद गम्भीर थीं और इनका न केवल दिल्ली के प्रशासन को, अपितु केन्द्र सरकार और देश के अन्य विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों और प्रशासन को भी गम्भीरता से संज्ञान लेना चाहिए। इस संबंध में दीर्घ विचार-विमर्श होना चाहिए कि सरकारों के ज्यादातर यत्नों और विशेष रूप से महिलाओं की सुरक्षा संबंधी कड़े कानून बनाने के बावजूद देश के अधिकतर भागों में आज भी महिलाएं सुरक्षित क्यों नहीं हैं? असामाजिक तत्वों के मन में सरकार और संबंधित प्रशासन का कोई डर क्यों नहीं है? केन्द्र से लेकर राज्य स्तर तक देश में महिलाओं की सुरक्षा को सुनिश्चित बनाने के लिए गम्भीर चर्चा करके कोई उचित कार्य योजना बनाने की ज़रूरत फिर महसूस हो रही है। सरकारों को इस संबंध में यह भी देखना चाहिए, कि अमन-कानून लागू करने वाली एजेंसियां इस संबंध में क्यों विफल रहती हैं? उनकी कार्यशैली में और किस प्रकार के सुधार किए जा सकते हैं? इसके साथ-साथ सरकारों को यह भी देखने की ज़रूरत है कि समाज में ऐसे तत्व क्यों बढ़-फूल रहे हैं, जोकि महिलाओं का मान-सम्मान करने के स्थान पर उनका शारीरिक शोषण करने को तैयार रहते हैं। उनकी ऐसी मानसिकता कहां से बनती है? क्या इसका कारण सोशल मीडिया पर मौजूद अश्लील सामग्री तो नहीं है? क्या इसका कारण मनोरंजन चैनलों पर लगातार चलते अश्लील किस्म के धारावाहिक तो नहीं हैं या क्या इसका कारण यह तो नहीं है कि हमारा समाज पारिवारिक नैतिक मूल्यों से वंचित होता जा रहा है। परिवारों के भीतर अभिभावकों द्वारा जो निरंतर अपने बच्चों को नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाती थी, उसमें कोई कमी तो नहीं आ गई। ये सभी ज्वलंत सवाल हैं, जिनके संबंध में गम्भीरता से सोचने की ज़रूरत है, क्योंकि यह मामला सिर्फ अमन-कानून का ही नहीं, अपितु हमारे समाज के भीतर नैतिक मूल्यों के पक्ष से आ रही बड़ी गिरावट का भी है।

अदालत ने संवेदनशील इलाकों मेंसीसीटीवी कैमरों की निगरानी, पर्याप्त रोशनी (स्ट्रीट लाइट्स) और पुलिस पेट्रोलिंग को मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस, केंद्रीय गृह मंत्रालय और एमसीडी से सुरक्षा उपायों पर चार हफ्ते के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। निःसंदेह महिलाओं के बड़े भाग ने शिक्षा प्राप्त करके प्रत्येक क्षेत्र में पहले से अधिक योगदान डाला है, परन्तु उनकी सुरक्षा के लिए देश में अभी और बहुत कुछ करने की ज़रूरत है।

**-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

हेल्थ अपडेट

# पैंक्रियाज स्वस्थ रहेगा तो सुधरेगा पाचन, ब्लड शुगर पर भी कंट्रोल

**शरीर** को स्वस्थ रखने में पैंक्रियाज यानी अग्न्याशय की अहम भूमिका होती है। पेट के ऊपरी हिस्से में, पेट के पीछे स्थित यह अंग भोजन पचाने के साथ ब्लड में शुगर का स्तर नियंत्रित रखने में भी मदद करता है। इसकी कार्यक्षमता प्रभावित होने पर पाचन संबंधी समस्याएं, अग्न्याशय में सूजन और कुछ स्थितियों में मधुमेह का खतरा बढ़ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार संतुलित खानपान, नियमित व्यायाम, स्वस्थ वजन और धूम्रपान से दूरी बनाकर अग्न्याशय को स्वस्थ रखने में मदद मिल सकती है।

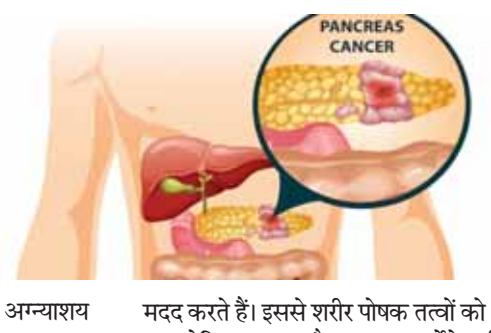


अग्न्याशय के दो प्रमुख कार्य हैं। पहला, यह ऐसे पाचक एंजाइम बनाता है जो भोजन में मौजूद कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा को छोटे घटकों में तोड़ने में मदद करते हैं। इससे शरीर पोषक तत्वों को आसानी से अवशोषित कर पाता है। यह बाइकार्बोनेट भी बनाता है, जो छोटी आंत में पहुंचने वाले पेट के अम्ल को निष्क्रिय करने में मदद करता है। दूसरा महत्वपूर्ण कार्य हार्मोन बनाना है। अग्न्याशय से निकलने वाला इंसुलिन रक्त में बढ़ी हुई शर्करा को नियंत्रित करने में मदद करता है। वहीं, ग्लूकागॉन हार्मोन रक्त में शर्करा का स्तर कम होने पर उसे बढ़ाने में भूमिका निभाता है।

अग्न्याशय को स्वस्थ रखने के लिए भोजन में सब्जियां, फल, साबुत अनाज और उचित मात्रा में प्रोटीन शामिल करें। अधिक तली-भुनी चीजों, अत्यधिक वसा वाले भोजन और जरूरत से ज्यादा मीठे पदार्थों का सेवन सीमित रखें। नियमित शारीरिक गतिविधि और वजन पर नियंत्रण भी महत्वपूर्ण है। धूम्रपान से बचें, क्योंकि इसका संबंध अग्न्याशय में सूजन और अन्य बीमारियों के बढ़ते जोखिम से है। शराब का अधिक सेवन भी अग्न्याशय को नुकसान पहुंचा सकता है। जिन्हें पहले अग्न्याशय में सूजन की समस्या रही है, उन्हें शराब से पूरी तरह दूर रहने की सलाह दी जाती है।

पेट के ऊपरी हिस्से में तेज या लगातार दर्द, पीठ तक फैलता दर्द, उल्टी, बुखार अथवा बिना कारण वजन कम होने जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। तेज दर्द और लगातार उल्टी होने पर तुरंत चिकित्सा सहायता लें। मधुमेह, पित्त की पथरी या रक्त में ट्राइग्लिसराइड्स बढ़ने की समस्या वाले लोगों को भी चिकित्सकीय सलाह के अनुसार नियमित देखभाल करनी चाहिए।

निशाना

## वो मुसाफ़िर राह से भटका नहीं...

**प्रदीप कश्यप**

ख़त्म नफ़रत जो कभी करता नहीं।
प्रेम का वो पाठ पढ़ पाया नहीं।
दे रहा है जो बढ़ावा झूठ को।
वे किसी से बात सच कहता नहीं।
सुख लुटाए खूब जिस इंसान ने।
अपना दुख उसने तो बतलाया नहीं।
दीप जब हमने जला कर रख दिए।
तब अंधेरा रात का छाया नहीं।
जिसको मंज़िल का पता मालूम था।
वो मुसाफ़िर राह से भटका नहीं।
रोये हम जिसको बहुत कर के विदा।
उस ने मुड़ कर के ज़रा देखा नहीं।
ज़िंदगी जो शान से कश्यप जिया।
वे किसी के पाँवों में झुकता नहीं।

वायरल कंटेंट

# दुबई की चमक-दमक के पीछे छिपा संघर्ष भारतीय पंडित ने बताई कमाई की कहानी

**दुबई** का नाम सुनते ही आलीशान इमारतें, महंगी गाड़ियां और शानदार जीवनशैली की तस्वीर सामने आने लगती है। बेहतर कमाई की उम्मीद में दुनिया भर से लोग यहां पहुंचते हैं। लेकिन हर व्यक्ति की जिंदगी वैसी नहीं होती, जैसी बाहर से दिखाई देती है। मध्य प्रदेश के जबलपुर निवासी शास्त्री नीरज पंडित की कहानी भी इसी हकीकत को सामने लाती है। दुबई में पूजा-पाठ कराकर आजीविका चलाने वाले नीरज ने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए बताया कि एक समय ऐसा भी था, जब सुबह का भोजन मिलने के बाद शाम को खाने का इंतजाम कैसे होगा, इसकी चिंता सताने लगती थी।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में नीरज पंडित से दुबई में उनकी कमाई के बारे में पूछा गया। उन्होंने बताया कि उनकी कोई निश्चित मासिक तनख्वाह नहीं है। आमदनी इस बात पर निर्भर करती है कि कितनी पूजा का काम मिलता है और किस तरह का धार्मिक आयोजन कराना है। नीरज के मुताबिक, कभी एक पूजा कराने के लिए 500 दिरहम यानी लगभग 12,800 रुपये मिल जाते हैं, तो कभी केवल 200 दिरहम यानी करीब 5,000 रुपये ही मिलते हैं। इस तरह हर महीने होने वाली कुल कमाई का अनुमान पहले से लगाना आसान नहीं है। पूजा की संख्या और काम मिलने की नियमितता उनकी आमदनी को सीधे प्रभावित करती है।

विदेश में नई जिंदगी शुरू करना आसान नहीं होता। अपना घर और परिवार छोड़कर दूसरे देश पहुंचने वाले व्यक्ति को रहने, खाने और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए नए सिरे से व्यवस्था करनी पड़ती है। नीरज ने अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया कि उस समय आर्थिक स्थिति ऐसी थी कि सुबह खाना मिल जाने के बाद शाम के भोजन की चिंता शुरू हो जाती थी। यह संघर्ष केवल पैसों तक सीमित नहीं था। दूसरे देश में अपने लिए जगह बनाना, काम तलाशना और जीवन को व्यवस्थित करना भी बड़ी चुनौती थी। उनकी कहानी बताती है कि विदेश में टिकने और अपनी पहचान बनाने के लिए कई लोगों को कठिन दौर से गुजरना पड़ता है।

कंज्यूमर अपडेट

# फाइबर या केबल ब्रॉडबैंड, घर के लिए कौन सा इंटरनेट कनेक्शन रहेगा बेहतर...

**घर** में वाई-फाई कनेक्शन लगवाते समय केवल इंटरनेट की कीमत और डाउनलोड स्पीड देखना पर्याप्त नहीं है। यह भी समझना जरूरी है कि कनेक्शन किस तकनीक पर काम करता है, अपलोड की गति कितनी है और एक साथ कई उपकरण चलाने पर इंटरनेट कैसा प्रदर्शन करता है। आमतौर पर फाइबर और केबल ब्रॉडबैंड के विकल्प मिलते हैं।

फाइबर ब्रॉडबैंड में कांच के बेहद महीन रेशों से बने तारों के जरिए प्रकाश संकेतों की मदद से डेटा पहुंचता है। इसके कारण यह तकनीक बहुत तेज गति और अधिक क्षमता वाला इंटरनेट उपलब्ध करा सकती है। वहीं, पारंपरिक केबल ब्रॉडबैंड में कोएक्सियल केबल का इस्तेमाल होता है, जिसमें तांबे के जरिए विद्युत संकेतों से डेटा पहुंचता है। ध्यान रखें कि इंटरनेट की वास्तविक गुणवत्ता केवल तकनीक पर निर्भर नहीं करती। सेवा प्रदाता के नेटवर्क, आपके क्षेत्र में उपलब्ध क्षमता और घर के राउटर की स्थिति का भी असर पड़ता है।

फाइबर कनेक्शन का बड़ा फायदा इसकी अपलोड और डाउनलोड गति है। कई फाइबर योजनाओं में दोनों की गति समान होती है। इसे समान अपलोड-डाउनलोड गति कहा जाता है। यह सुविधा वीडियो कॉलिंग, ऑनलाइन बैठक, बड़ी फाइलें भेजने और घर से काम करने वालों के लिए उपयोगी है। केबल ब्रॉडबैंड में डाउनलोड गति अच्छी मिल सकती है, लेकिन अपलोड गति अक्सर डाउनलोड के मुकाबले कम होती है। इसके अलावा, साझा नेटवर्क पर अधिक लोगों के इंटरनेट इस्तेमाल करने से व्यस्त समय में गति घट सकती है। हालांकि, यह हर केबल कनेक्शन के साथ होना जरूरी नहीं है।

यह मानना गलत है कि फाइबर हमेशा महंगा होता है। कीमत इंटरनेट की गति, मासिक योजना, सेवा प्रदाता और अतिरिक्त सुविधाओं पर निर्भर करती है। फाइबर में ऑप्टिकल नेटवर्क टर्मिनल यानी ओएनटी की जरूरत पड़ सकती है, जबकि केबल में उपयुक्त मॉडेम या राउटर इस्तेमाल होता है। उपकरणों का शुल्क, स्थापना खर्च और सुरक्षा राशि पहले पूछ लें। कुछ कंपनियां इंटरनेट के साथ टीवी चैनल या मनोरंजन सेवाएं भी देती हैं। योजना चुनने से पहले देखें कि इनमें से कौन सी सुविधाएं वास्तव में आपके काम की हैं।

# जंगल की पगडंडी पार करता दिखा बाघ, पर्यटकों ने कैमरे में कैद किया रोमांचक नजारा

## वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व की मुहली रेंज का बताया जा रहा वीडियो, 7 अक्टूबर को कूनो से लाए गए दो चीते भी बने आकर्षण, वीडियो के स्थान की जांच जारी

**तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो**

बारिश का मौसम समाप्त होने के बाद वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी शुरू हो गई है। यहां पहुंच रहे पर्यटकों को वन्यजीवों के दीदार हो रहे हैं। इसी दौरान जंगल सफारी के दौरान एक बाघ पगडंडी पार करता दिखाई दिया। पर्यटकों ने इस रोमांचक नजारे को अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया। वीडियो सामने आने के बाद वन्यजीव प्रेमियों में उत्सुकता बढ़ गई है।

जानकारी के अनुसार, बाघ का वीडियो टाइगर रिजर्व की मुहली रेंज का बताया जा रहा है। हालांकि, वीडियो किस स्थान पर बनाया गया, इसकी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। टाइगर रिजर्व के एसडीओ बीपी तिवारी ने बताया कि सफारी के दौरान पर्यटकों को बाघ दिखाई दे रहे हैं। दो दिन पहले भी बाघ नजर आया था। सामने आए वीडियो के स्थान की जांच की जा रही है। इस टाइगर रिजर्व में बाघ और तेंदुओं के साथ अब चीते भी आकर्षण का केंद्र हैं। 7 अक्टूबर को कूनो से लाकर दो चीतों को यहां छोड़ा गया था। फिलहाल दोनों चीते बाड़ों में रखे गए हैं। निगरानी और आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद उन्हें खुले जंगल में छोड़ने की योजना है। पर्यटक मध्य प्रदेश वन विभाग के आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल से जंगल सफारी की बुकिंग कर सकते हैं। सफारी शुल्क और उपलब्धता की ताजा जानकारी यात्रा से पहले पोर्टल पर जांचने की सलाह दी गई है।

### बाघ के वीडियो की जांच, लोकेशन की पुष्टि बाकी

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी के दौरान बाघ के पगडंडी पार करने का वीडियो सामने आया है। इसे मुहली रेंज का बताया जा रहा है, लेकिन वीडियो के वास्तविक स्थान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। टाइगर रिजर्व के एसडीओ बीपी तिवारी के मुताबिक, सफारी के दौरान पर्यटकों को बाघ दिखाई दे रहे हैं। दो दिन पहले भी बाघ नजर आया था। फिलहाल वन विभाग सामने आए वीडियो के स्थान की जांच कर रहा है। जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा कि वीडियो रिजर्व के किस हिस्से में बनाया गया। बाघ की मौजूदगी से सफारी पर पहुंच रहे पर्यटकों का रोमांच बढ़ रहा है।

### टाइगर रिजर्व में दो चीते भी बने आकर्षण

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में बाघ और तेंदुओं के साथ अब दो चीते भी वन्यजीव प्रेमियों के आकर्षण का केंद्र हैं। 7 अक्टूबर को दोनों चीतों को कूनो से लाकर यहां छोड़ा गया था। फिलहाल उन्हें बाड़ों में रखा गया है। वन विभाग निगरानी और जरूरी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद उन्हें खुले जंगल में छोड़ने की योजना पर काम कर रहा है। वहीं, पर्यटक मध्य प्रदेश वन विभाग के आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से जंगल सफारी की बुकिंग कर सकते हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, प्रवेश शुल्क 250 रुपये प्रति व्यक्ति और दो घंटे की सफारी के लिए जिप्सी का किराया करीब 2,500 रुपये प्रति वाहन बताया गया है। यात्रा से पहले शुल्क और उपलब्धता की पुष्टि करना उचित होगा।

## न्यूज विंडो

### सॉफ्टबॉल में बासौदा के पांच सितारे दिखाएंगे दम, राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयन

**गंजबासौदा।** खेल प्रतिभा के दम पर गंजबासौदा के पांच खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता में जगह बनाकर शहर का गौरव बढ़ाया है। सेंट एसआरएस पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल के चयनित खिलाड़ी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए इंदौर रवाना हो गए हैं। यह स्पर्धा 22 से 27 अक्टूबर तक आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ियों में सिद्धि शर्मा (कक्षा 11वीं), सुमित दांगी (कक्षा 12वीं), अंशी सेन (कक्षा 9वीं), पलक राय (कक्षा 9वीं) और प्रिया सूर्यवंशी (कक्षा 6वीं) शामिल हैं। सभी खिलाड़ी राज्य स्तर पर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। खिलाड़ियों के चयन से विद्यालय परिवार में उत्साह का माहौल है। स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही उनके मार्गदर्शक कपिल गॉड के प्रयासों की सराहना की। विद्यालय परिवार ने उम्मीद जताई कि खिलाड़ी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्कूल और शहर का नाम रोशन करेंगे।

**सेंट एसआरएस पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों का इंदौर में होगा मुकाबला, 27 अक्टूबर तक चलेगी स्पर्धा**

### गूगल पर डॉक्टर का नंबर तलाशना पड़ा महंगा सेवानिवृत्त एसआई के खाते से उड़ाए 2.55 लाख

**उज्जैन।** शहर में साइबर ठगी के दो मामलों में सेवानिवृत्त एसआई और एक दुकान संचालक के बैंक खातों से कुल 3 लाख 54 हजार 500 रुपये निकाल लिए गए। नानाखेड़ा और माधव नगर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, बसंत विहार कॉलोनी निवासी 69 वर्षीय देवेंद्र राय रेडियो विभाग से एसआई पद से सेवानिवृत्त हैं। उन्होंने गूगल पर डॉक्टर का मोबाइल नंबर तलाशकर फोन किया था। आरोप है कि कॉल साइबर ठग के पास पहुंच गई, जिसने उन्हें झांसे में लेकर एटीएम कार्ड का सीवीसी और पिन हासिल कर लिया। इसके बाद खाते से 2.55 लाख रुपये निकाल लिए गए। उन्होंने कार्ड ब्लॉक भी कराया, लेकिन तब तक रकम निकल चुकी थी। दूसरे मामले में देसाईनगर निवासी हितेश अखंड, जो जीरो पॉइंट ब्रिज के पास एवरफ्रेश दुकान चलाते हैं, के खाते से 99,500 रुपये कट गए। 18 अक्टूबर को बैलेंस चेक करने पर उन्हें इसकी जानकारी मिली। बैंक से जानकारी लेने के बाद उन्होंने माधव नगर थाने में शिकायत की। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है।

### तेजगढ़ में गुरैया नदी का पानी रोकने में लापरवाही

# करोड़ों का स्टॉप डेम बना शोपीस, गेट नहीं होने से बह रहा लाखों लीटर पानी

**तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो**

किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए तेजगढ़ ग्राम में गुरैया नदी पर करोड़ों रुपये की लागत से बनाया गया स्टॉप डेम जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते अपनी उपयोगिता खोता नजर आ रहा है। डेम के गेट बंद नहीं होने से नदी का पानी लगातार बहकर व्यर्थ जा रहा है। इससे आगामी रबी सीजन और गर्मियों में जलसंकट की आशंका गहरा गई है।

क्षेत्र में गेहूं और चना जैसी फसलों की सिंचाई के लिए पानी की जरूरत होती है। किसानों के मुताबिक, फसलों को चार से पांच बार पानी देना पड़ता है। ऐसे में डेम में पानी का ठहराव नहीं होने से सिंचाई और भूजल स्तर प्रभावित होने की चिंता बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि हर साल गर्मी में डेम सूखने से खेतों की फसलें प्रभावित होती हैं और मवेशियों के लिए भी पानी का संकट खड़ा हो जाता है। किसानों के अनुसार, हर साल अक्टूबर की शुरुआत में स्टॉप डेम के गेट लगा दिए जाते हैं, लेकिन इस बार आधा अक्टूबर बीतने के बाद भी व्यवस्था नहीं हुई। क्षेत्र के अन्य गांवों में गेट लगाए जा चुके हैं। किसानों ने प्रशासन से जल्द पानी रोकने की व्यवस्था करने की मांग की है। मामले में ग्राम पंचायत तेजगढ़ के सचिव भानुप्रताप राजपूत ने बताया कि डेम के पुराने गेट चोरी हो गए हैं। नए गेट बनवाकर तैयार करा लिए गए हैं। उन्होंने दो-तीन दिन में गेट लगवाने की बात कही है।

### अभी पानी नहीं रोका तो गर्मी में बढ़ेगी परेशानी

तेजगढ़ और आसपास के किसानों के लिए गुरैया नदी का पानी सिंचाई और भूजल स्तर बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। किसानों का कहना है कि इस बार मानसून अच्छा रहने से गुरैया और व्यारमा सहित क्षेत्र की नदियों-नालों में पर्याप्त पानी है। यदि समय रहते स्टॉप डेम के गेट लगाकर पानी रोक लिया जाए, तो रबी फसलों की सिंचाई में मदद मिल सकती है। पानी का ठहराव होने से आसपास के कुओं और ट्यूबवेल का जलस्तर भी बेहतर बना रह सकता है। इसके विपरीत, पानी लगातार बहता रहा तो गर्मी में जलसंकट गहरा सकता है। किसानों को आशंका है कि पानी की कमी से फसलें प्रभावित होंगी और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है।

### अक्टूबर में गेट लगाने की परंपरा, इस बार हुई देरी

स्थानीय किसानों के मुताबिक, क्षेत्र में नदी-नालों पर बने स्टॉप डेम में हर साल अक्टूबर की शुरुआत में गेट लगाए जाते हैं, ताकि बारिश के बाद उपलब्ध पानी को रोका जा सके। इससे सिंचाई के साथ आसपास के जलस्रोतों को भी लाभ मिलता है। किसानों का कहना है कि इस बार अक्टूबर का आधे से अधिक समय बीतने के बावजूद तेजगढ़ के गुरैया नदी स्टॉप डेम पर गेट नहीं लगाए गए। वहीं, आसपास की दूसरी ग्राम पंचायतों ने अपने डेम पर गेट लगवा दिए हैं। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि जब पानी उपलब्ध है, तो उसे रोकने में देरी क्यों की जा रही है। पंचायत सचिव भानुप्रताप राजपूत के अनुसार, पुराने गेट चोरी हो गए थे और नए गेट तैयार हैं। उन्होंने जल्द स्थापना का आश्वासन दिया है।

## शरद पूर्णिमा पर मनाया जाएगा श्री अजमीढ़ देव जी का जन्मोत्सव

**तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो**

सर्व स्वर्णकार समाज सेवा समिति तेन्दूखेड़ा द्वारा समाज के आराध्य एवं आदि महापुरुष श्री अजमीढ़ देव जी का जन्मोत्सव 25 अक्टूबर 2026 को शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। आयोजन को लेकर स्वर्णकार समाज के लोगों में खासा उत्साह है और तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

जन्मोत्सव के अवसर पर श्री अजमीढ़ देव जी का पूजन-अर्चन कर समाज की सुख-समृद्धि, उन्नति और खुशहाली की कामना की जाएगी। कार्यक्रम के माध्यम से समाजजनों को एकजुट होकर सामाजिक एकता और सद्भाव का संदेश देने का प्रयास भी किया जाएगा। समिति के पदाधिकारियों ने समाज के सभी सदस्यों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर जन्मोत्सव को सफल बनाने की अपील की है। समिति से जुड़े आनंद कुमार सर्राफ ने बताया कि श्री अजमीढ़ देव जी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनके जीवन और आदर्शों से समाज को एकता, परिश्रम, सेवा तथा आपसी सद्भाव की प्रेरणा मिलती है। ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को अपने आराध्य के आदर्शों से जुड़ने और सामाजिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का अवसर मिलता है। समाजजनों को उम्मीद है कि जन्मोत्सव का आयोजन उत्साहपूर्वक संपन्न होगा और आपसी सहयोग एवं एकजुटता की भावना को और मजबूती मिलेगी।

## शेयर में मोटे मुनाफे का लालच, वाटर पार्क संचालक से 8.59 लाख की ठगी

### 47 लाख के आईपीओ मिलने का दावा कर मांगे 18 लाख , हीरा नगर पुलिस ने दर्ज किया केस

**इंदौर। दोपहर मेट्रो**

सस्ते आईपीओ और शेयर में 10 से 20 प्रतिशत तक मुनाफे का लालच देकर साइबर ठगों ने वाटर पार्क संचालक से 8 लाख 59 हजार रुपये ठग लिए। ठगी का अहसास तब हुआ, जब आरोपितों ने खाते में लाखों रुपये के आईपीओ मिलने का दावा कर अतिरिक्त 18 लाख रुपये की मांग की। हीरा नगर पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, फरियादी रितेश कुमार निमाड़े ने साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत की थी। रितेश ने 12 अगस्त को फेसबुक पर स्टॉक मार्केट से संबंधित विज्ञापन देखा और लिंक खोलकर व्हाट्सऐप ग्रुप से जुड़ गया। ग्रुप में शेयर खरीदने-बेचने के टिप्स दिए

जाते थे। आरोप है कि वंशिका नाम की युवती ने फोन कर उनकी आईडी ली और वीडियो कॉल पर सत्यापन किया। इसके बाद ट्रेडिंग के नाम पर उनसे 8.59 लाख रुपये जमा करवा लिए गए। आरोपितों ने 10 सितंबर को दावा किया कि रितेश के खाते में कार्बन स्टील इंजीनियरिंग लिमिटेड के 92 हजार आईपीओ आवंटित हुए हैं, जिनकी कीमत 47 लाख रुपये है। इसके बाद 18 लाख रुपये और मांगे गए। शक होने पर रितेश ने ग्रुप के अन्य सदस्यों से संपर्क किया, लेकिन उनके नंबर फर्जी निकले। पुलिस बैंक खातों और मोबाइल नंबरों की जांच कर रही है।

## गांवों के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएंगी प्रस्फुटन समितियां, पांच गांवों के समिति सदस्य हुए शामिल

**तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो**

ग्रामीण विकास और सामाजिक गतिविधियों में प्रस्फुटन समितियों की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद तेंदूखेड़ा के नेतृत्व में सूर्या सेवा समिति द्वारा सेक्टर सहजपुर के ग्राम झरोली में क्षमता संवर्धन एवं प्रस्फुटन शक्ति संचय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम उपसरपंच किशन केवट, विकासखंड समन्वयक दीपचंद मालवीय, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सुरेंद्र राजपूत और नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि प्रीतम सिंह केवट ने दीप प्रज्वलित कर मां भारती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ किया।

प्रशिक्षण के दौरान विकासखंड समन्वयक दीपचंद मालवीय ने ग्रामीण विकास, शासकीय योजनाओं और प्रस्फुटन समितियों के दायित्वों की जानकारी दी। उन्होंने समितियों को गतिविधियों का प्रतिवेदन तैयार करने, लेखा-जोखा रखने, दस्तावेजीकरण करने और प्रस्फुटन ऐप पर गतिविधियां अपलोड करने की प्रक्रिया समझाई। साथ ही ग्रामीणों की सहभागिता बढ़ाने के लिए गतिविधियों को अभियान के रूप में संचालित करने पर जोर दिया। कृषि विभाग के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सुरेंद्र राजपूत और प्रियवदा द्विवेदी ने जैविक खेती, फसल चक्र और बेहतर कृषि उत्पादन से संबंधित जानकारी दी। वहीं, परामर्शदाता ने सीएमसीएलडीपी, एमएसडब्ल्यू और बीएसडब्ल्यू पाठ्यक्रमों के बारे में बताया। प्रशिक्षण में झरोली, नरगुवा, सरवाकुही, दोनी और सेलवाड़ा (बंधना) सहित विभिन्न गांवों की प्रस्फुटन समितियों के सदस्य और नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम में सदस्यों को ग्राम विकास एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। समापन पर प्रीतम सिंह केवट ने सभी उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

**मेट्रो एंकर** प्रतिबंधात्मक आदेश के पालन के लिए प्रशासन-पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

# दुकान से 57 कार्बाइड गन और पोटाश के पैकेट जब्त

**ग्वालियर। दोपहर मेट्रो**

दीपावली और अन्य उत्सवों के दौरान आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस ने प्रतिबंधित खतरनाक उपकरणों व विस्फोटक सामग्री के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। शुक्रवार को संयुक्त टीम ने सिरोल रोड, मुरार स्थित शिव नगर की मां पीतांबरा स्टील ट्रेडर्स पर छापा मारकर 57 कार्बाइड गन और पोटाश के 5 पैकेट जब्त किए। कार्रवाई के बाद संबंधित दुकान को सील कर दिया गया।

यह कार्रवाई एसडीएम झांसी रोड अतुल सिंह के नेतृत्व में की गई। इसके अलावा शहर के विभिन्न बाजारों में भी टीमों ने जांच कर कार्बाइड गन और

खतरनाक विस्फोटक पदार्थों की उपलब्धता का जायजा लिया। भितरवार में भी एसडीएम राजीव समाधिया के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। जिले में दीपावली सहित अन्य उत्सवों के दौरान कार्बाइड गन, पोटाश गन, बोटल फ्लैशर लैंप और अन्य खतरनाक उपकरणों तथा विस्फोटक सामग्री के निर्माण, भंडारण, खरीद-बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट रुचिका चौहान ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। प्रशासन का उद्देश्य प्रतिबंधित सामग्री की उपलब्धता पर रोक लगाकर त्योहारों के दौरान हादसों की आशंका कम करना है।

### प्रतिबंधित उपकरणों पर प्रशासन की नजर

दीपावली के दौरान कार्बाइड गन, पोटाश गन और बोटल फ्लैशर लैंप जैसे खतरनाक उपकरणों का इस्तेमाल लोगों की सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा कर सकता है। इसी को देखते हुए ग्वालियर जिला प्रशासन ने इनके निर्माण, भंडारण, क्रय-विक्रय और उपयोग पर प्रतिबंध लगाया है। कलेक्टर रुचिका चौहान ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी किया है। प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीमें बाजारों में जांच कर प्रतिबंधित सामग्री की उपलब्धता का पता लगा रही हैं। अधिकारियों का उद्देश्य नियमों का पालन सुनिश्चित करना और त्योहारों के दौरान आमजन को संभावित हादसों से सुरक्षित रखना है।

## जमीन के विवाद में जेसीबी से हमला, आरोपी को दो साल की सजा

**उज्जैन।** जमीन की रजिस्ट्री नहीं करने के विवाद में युवक पर जेसीबी मशीन से हमला कर घायल करने वाले आरोपी को न्यायालय ने दो साल के सश्रम कारावास और अर्थदंड से दंडित किया है। नवम न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, उज्जैन ने लक्ष्मण उर्फ लक्ष्मणसिंह बंजारा (42), निवासी भीलखेड़ा को धारा 325 में दोषी ठहराया। अभियोजन के अनुसार, भैरूलाल ने आरोपी से आठ बीघा जमीन का 8.50 लाख रुपये में सौदा किया था। 29 अगस्त 2016 को पूरी राशि देकर तीन महीने में रजिस्ट्री कराने का इकरार हुआ, लेकिन रजिस्ट्री नहीं हुई। आरोपी ने भैरूलाल को रोककर जेसीबी से हमला कर दिया। मेडिकल जांच में गंभीर चोटें सामने आने पर पुलिस ने धारा 325 भी जोड़ी।


**कार्यालय कार्यपालन यंत्री**

लोक निर्माण विभाग संधारण संभाग क्रमांक-1 शेड क्र-7 जवाहर चौक, भोपाल

निविदा सूचना क्र-84, 85, 86/वलेलि/2026-27 /// निविदा सूचना /// भोपाल, दि-21.10.2026

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्यों का विस्तृत विवरण बेवसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

| स. क्र. | निविदा सूचना क्र. | टेण्डर नं. | कार्य का नाम | ठेके की अनुमानित राशि रू. लाखों में | अमानत राशि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 84 | 2026_PWDRB 544455 | नगर उपसंभाग क्र-2 लोनिवि. भोपाल के अन्तर्गत मुख्य मंत्री निवास में लैण्डस्केपिंग एवं अन्य सिविल कार्य। | रू. 55,00,000.00 (रू. पचपन लाख मात्र) | रू. 55000.00 |
| 2 | 85 | 2026_PWDRB 544456 | लोनिवि. नगर उपसंभाग क्र-1 भोपाल के अन्तर्गत पुलिस कन्ट्रोल रूम सेक्शन के आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में रंगाई, पुताई, डिस्टेम्परिंग एवं पेंटिंग आदि का कार्य। | रू. 35,00,000.00 (रू. पैंतीस लाख मात्र) | रू. 50000.00 |
| 3 | 86 | 2026_PWDRB 544457 | संधारण संभाग क-1 भोपाल के कार्यपालन यंत्री के उपयोग हेतु स्कार्पियो एन या समकक्ष वाहन, ड्राईवर एवं सभी संधारण सहित वगैर ईंधन के उपलब्ध कराने बावत्। | रू. 8,88,000.00 (रू. आठ लाख अट्ठासी हजार मात्र) | रू. 17760.00 |

उपरोक्त वेबसाईट पर आनलाईन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय एवं सबमिशन करने की अंतिम तिथि 10.11.2026 सायं 5:30 बजे निर्धारित है। निविदा में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर उसे उपरोक्त वेबसाईट पर देखा जा सकता है। विस्तृत एन. आई. टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है।

G-20423/26 कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग संधारण संभाग क्र-1 भोपाल दूरभाष-0755-2777485

# अनूपपुर में रेल जनसंवाद या सिर्फ फोटो सेशन, जनता नदारद, अधिकारी करते रहे संवाद

## पैन इंडिया रेल जनसंवाद की मंशा पर उठे सवाल, यात्रियों की समस्याओं और जनभागीदारी की अनदेखी का आरोप; अधूरी सुविधाओं पर जवाबदेही तय करने की मांग

**अनूपपुर। दोपहर मेट्रो**

रेलवे बोर्ड की यात्रियों की समस्याएं सुनने और सुविधाओं में सुधार की पहल अनूपपुर जंक्शन पर औपचारिकता बनकर रह गई। 22 अक्टूबर को आयोजित 'पैन इंडिया रेल जनसंवाद' कार्यक्रम में आम यात्रियों, स्थानीय पत्रकारों, जनप्रतिनिधियों और जागरूक नागरिकों की भागीदारी नहीं होने पर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि कार्यक्रम रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों तक सीमित रहा तथा जनसंवाद की जगह फोटो सेशन जैसी स्थिति नजर आई।

बिलासपुर मंडल के एडीआरएम जामन शंकर मीणा के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम की जिम्मेदारी स्टेशन मास्टर एमपी शर्मा और कमर्शियल इंस्पेक्टर एनके सिंह को सौंपी गई थी। इसके बावजूद वास्तविक जनभागीदारी सुनिश्चित नहीं होने को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। अनूपपुर जंक्शन पर सर्कुलेटिंग एरिया में शौचालय का अभाव, प्लेटफॉर्म 3-4 पर सुविधाओं की कमी, अधूरे शेड, प्रतीक्षालय में स्नानागार नहीं होना और करीब एक वर्ष से बंद फुटओवर ब्रिज निर्माण जैसे मुद्दे यात्रियों के लिए परेशानी बने हुए हैं। आरक्षण समय बढ़ाने, महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव और अनारक्षित कोचों में भीड़ जैसे विषयों पर भी चर्चा अपेक्षित थी। अब सवाल है कि कितनी शिकायतें दर्ज हुईं और उनके निराकरण की समयसीमा क्या तय हुई? यात्रियों ने मंडल रेल प्रशासन से कार्यक्रम की समीक्षा, शिकायतों का विवरण सार्वजनिक करने और लंबित सुविधाओं पर ठोस कार्रवाई की मांग की है। रेल जनसंवाद का उद्देश्य यात्रियों की शिकायतें सुनना और सुविधाओं में सुधार करना है। ऐसे में बिलासपुर मंडल रेल प्रशासन को स्पष्ट करना चाहिए कि अनूपपुर जंक्शन पर कितने आम यात्रियों से चर्चा हुई और कितनी शिकायतें आधिकारिक रूप से दर्ज की गईं। स्थानीय पत्रकारों, जनप्रतिनिधियों और जागरूक नागरिकों को कार्यक्रम में क्यों नहीं बुलाया गया? स्टेशन की बुनियादी सुविधाओं और अधूरे फुटओवर ब्रिज के समाधान के लिए क्या समयसीमा तय हुई? क्या कार्यक्रम की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही निर्धारित की जाएगी? यात्रियों की अपेक्षा है कि रेलवे प्रशासन शिकायतों और प्रस्तावित कार्रवाई का विवरण सार्वजनिक करे।

### स्टेशन पर समस्याएं, समाधान का इंतजार

अनूपपुर जंक्शन पर यात्रियों को कई बुनियादी सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ रहा है। सर्कुलेटिंग एरिया में शौचालय नहीं होने, प्लेटफॉर्म 3 और 4 पर सुविधाओं की कमी तथा अधूरे शेड के कारण धूप और बारिश में परेशानी होती है। प्रतीक्षालय में स्नानागार का अभाव भी लंबी दूरी के यात्रियों के लिए मुश्किल पैदा करता है। प्लेटफॉर्म 1 से 3-4 की ओर जाने वाले फुटओवर ब्रिज का निर्माण करीब एक वर्ष से बंद होने की बात कही जा रही है।

## न्यूज विंडो

### मलखंब में अग्रणी महाविद्यालय का दमदार प्रदर्शन, संभाग स्तरीय स्पर्धा में बना चैंपियन

**सागर।** भारतीय संस्कृति और पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शासकीय कला एवं वाणिज्य (अग्रणी) महाविद्यालय, सागर में संभाग स्तरीय मलखंब प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्राचार्य प्रो. सरोज गुप्ता के निर्देशन में हुई स्पर्धा में मेजबान महाविद्यालय की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियन का खिताब जीता, जबकि शासकीय महाविद्यालय शाहगढ़ की टीम उपविजेता रही। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी, जिला उपाध्यक्ष निकेश गुप्ता और क्षेत्रीय खेल संचालक शर्मिला डाबर की उपस्थिति में हुआ। प्राचार्य प्रो. सरोज गुप्ता ने कहा कि मलखंब जैसे पारंपरिक खेल शारीरिक सौष्ठव के साथ मानसिक एकाग्रता, अनुशासन और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता विकसित करते हैं। श्याम तिवारी ने पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने की पहल को सराहनीय बताया, वहीं निकेश गुप्ता ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में सागर के अग्रणी महाविद्यालय, पीएम श्री शासकीय महाविद्यालय मकरोनिया, शासकीय महाविद्यालय शाहगढ़ और शासकीय कन्या महाविद्यालय सागर की टीमों ने हिस्सा लिया।

### नरवाई जलाई तो 15 हजार रुपये तक जुर्माना जबलपुर जिले में 60 दिन के लिए प्रतिबंध

**जबलपुर।** फसल कटाई के बाद खेतों में नरवाई जलाने वालों पर अब सख्ती होगी। जबलपुर जिले में नरवाई जलाने पर 60 दिनों के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया है। अपर जिला दंडाधिकारी नीता राठौर ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163(2) के तहत यह आदेश जारी किया है। उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नरवाई जलाने पर जमीन के रकबे के अनुसार पर्यावरण क्षतिपूर्ति राशि वसूली जाएगी। दो एकड़ से कम भूमि पर 2,500 रुपये, दो से पांच एकड़ से कम पर 5,000 रुपये और पांच एकड़ से अधिक भूमि पर 15,000 रुपये प्रति घटना जुर्माना निर्धारित है। आदेश के अनुसार, कंबाइन हार्वेस्टर के साथ सुपर स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम, स्ट्रा रीपर या बेलर लगाना अनिवार्य होगा। नियमों का उल्लंघन करने पर हार्वेस्टर जब्त किया जा सकता है। प्रतिबंध के पालन की जिम्मेदारी कृषि विभाग को सौंपी गई है। ग्राम पंचायत स्तरीय निगरानी समितियां उल्लंघन की रिपोर्ट देंगी। तहसीलदार सुनवाई के बाद सात दिनों में जुर्माने पर निर्णय लेंगे। प्रशासन ने किसानों को जागरूक करने के लिए गांवों में मुनादी कराने के निर्देश भी दिए हैं। नरवाई जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है और मिट्टी की उर्वरता को नुकसान पहुंचता है।

### मोतीनगर पुलिस की कार्रवाई, बालाजी नगर और सिंधी कैंप में दबिश

# सागर में अवैध पटाखों पर पुलिस का छापा, 10.50 लाख का माल जब्त

**सागर। दोपहर मेट्रो**

त्योहारों के मद्देनजर अवैध पटाखों के भंडारण और बिक्री के खिलाफ सागर पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। थाना मोतीनगर पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में करीब 10 लाख 50 हजार रुपये मूल्य के पटाखे जब्त किए हैं। पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया के निर्देशन में की गई इन कार्रवाइयों का उद्देश्य अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। दोनों मामलों में प्रकरण दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

पहली कार्रवाई मोतीनगर थाना क्षेत्र के बालाजी नगर, अंबेडकर वार्ड में की गई। यहां पुलिस ने 23 खाकी कार्टून में रखे करीब 10 लाख रुपये मूल्य के पटाखे जब्त किए। इनमें अनारदाना, फुलझड़ी, सुतली बम, रॉकेट और लड़ियों वाले पटाखे शामिल हैं। इस मामले में सुनील पिता महेश शर्मा (41), निवासी अंबेडकर वार्ड तथा छोटू, अरविंद पांडा और मौसम शर्मा के विरुद्ध कार्रवाई की गई। पुलिस ने अपराध क्रमांक 1311/26 के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

दूसरी कार्रवाई सिंधी कैंप में बालचंद तलवानी की दुकान पर की गई, जहां से करीब 50 हजार रुपये के विभिन्न प्रकार के पटाखे जब्त किए गए। इस मामले में अपराध क्रमांक 1112/26 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है। कार्रवाई के दौरान एसपी अनुराग सुजानिया स्वयं मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। नगर पुलिस अधीक्षक ललित कश्यप, थाना प्रभारी मोतीनगर जसवंत सिंह सहित पुलिस स्टाफ मौजूद रहा।

### बालाजी नगर में 23 कार्टून पटाखे मिले

मोतीनगर थाना क्षेत्र के बालाजी नगर स्थित अंबेडकर वार्ड में पुलिस ने दबिश देकर 23 खाकी कार्टून में रखे करीब 10 लाख रुपये मूल्य के पटाखे जब्त किए। जब्त सामग्री में अनारदाना, फुलझड़ी, सुतली बम, रॉकेट और लड़ियों वाले पटाखे सहित विभिन्न किस्मों के आतिशबाजी उत्पाद शामिल हैं। पुलिस ने इस मामले में सुनील पिता महेश शर्मा, उम्र 41 वर्ष, निवासी अंबेडकर वार्ड तथा छोटू, अरविंद पांडा और मौसम शर्मा के विरुद्ध कार्रवाई की है। प्रकरण अपराध क्रमांक 1311/26 के तहत दर्ज किया गया है।

### सिंधी कैंप की दुकान से 50 हजार के पटाखे जब्त

मोतीनगर पुलिस ने दूसरी कार्रवाई सिंधी कैंप में की। यहां निवासी बालचंद तलवानी की दुकान से करीब 50 हजार रुपये मूल्य के पटाखे जब्त किए गए। इनमें अनारदाना, फुलझड़ी, सुतली बम, रॉकेट, लड़ियों वाले पटाखों के पैकेट और अन्य आतिशबाजी सामग्री शामिल है। पुलिस ने अवैध भंडारण एवं विक्रय के संबंध में अपराध क्रमांक 1112/26 के तहत प्रकरण दर्ज किया है और विवेचना जारी है। दोनों कार्रवाइयां पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया के निर्देशन में हुईं। एसपी ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई का जायजा लिया। इस दौरान नगर पुलिस अधीक्षक ललित कश्यप, थाना प्रभारी जसवंत सिंह और पुलिस स्टाफ मौजूद रहा। पुलिस का कहना है कि त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर निगरानी जारी रहेगी।

### शीतला माता मंदिर हादसा

## 16 मौतों के बाद मजिस्ट्रियल जांच तेज, एडीएम ने घटनास्थल खंगाला

### ट्रक के ढलान से आने वाले रास्ते और मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

**ग्वालियर। दोपहर मेट्रो**

शीतला माता मंदिर के मुख्य द्वार पर हुए भीषण ट्रक हादसे की मजिस्ट्रियल जांच शुरू हो गई है। शुक्रवार को जांच अधिकारी एवं अपर जिला दंडाधिकारी सीबी प्रसाद ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया। उन्होंने उस स्थान का बारीकी से निरीक्षण किया, जहां दुर्घटना हुई थी। साथ ही ट्रक के ढलान से नीचे आने वाले मार्ग और मंदिर परिसर सहित आसपास की व्यवस्थाओं की भी पड़ताल की।

प्रशासन के अनुसार, जांच के लिए पुलिस रिकॉर्ड का इंतजार है। यह रिकॉर्ड हादसे के कारणों का पता लगाने में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी रुचिका चौहान ने 18 अक्टूबर की रात हुई इस दुर्घटना में जनहानि के कारणों की जांच के लिए एडीएम सीबी प्रसाद को जांच अधिकारी नियुक्त किया है। जांच अधिकारी ने स्वतंत्र और निष्पक्ष व्यक्तियों से साक्ष्य एवं जानकारी देने की अपील की है। इसके लिए 26, 27 और 28 अक्टूबर को दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। इच्छुक व्यक्ति अपर जिला दंडाधिकारी के न्यायालय स्थित कक्ष क्रमांक 201 में उपस्थित होकर अपना पक्ष रख सकते हैं। जरूरत पड़ने पर संबंधित एजेंसियों के लोगों से भी जानकारी ली जा सकती है।

इस हादसे में 16 लोगों की मौत हुई थी, जबकि घायलों का इलाज जारी है। अब जांच में दुर्घटना के कारणों और जिम्मेदारियों से जुड़े पहलुओं पर तथ्य जुटाए जाएंगे।

# 18 साल से सरपंच, फिर भी FIR के लिए सात घंटे इंतजार, कोतवाली की कार्यप्रणाली पर सवाल

### जनपद पंचायत अध्यक्ष के थाने पहुंचने के बाद दर्ज हुई शिकायत

### पसला की महिला सरपंच के साथ कथित मारपीट और बिल-वाउचर पर जबरन हस्ताक्षर कराने का मामला

**अनूपपुर। दोपहर मेट्रो**

जिले की ग्राम पंचायत पसला की महिला सरपंच सन्तरी सिंह के साथ कथित मारपीट और बिल-वाउचर पर जबरन हस्ताक्षर कराने का मामला सामने आया है। घटना के बाद एफआईआर दर्ज कराने के लिए करीब सात घंटे तक इंतजार करना पड़ा। इस घटनाक्रम ने अनूपपुर सिटी कोतवाली की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, सन्तरी सिंह, पत्नी रोहित सिंह, पसला ग्राम पंचायत की सरपंच हैं और करीब 18 वर्षों से पंचायत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। उनके साथ हुई कथित घटना के बाद बड़ी संख्या में समर्थक और कार्यकर्ता थाने पहुंचे। बताया जाता है कि जनपद पंचायत जैतहरी के अध्यक्ष को भी मामले में थाने पहुंचकर बैठना पड़ा। इसके बाद पुलिस ने शिकायत दर्ज की। एक निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि को शिकायत दर्ज कराने के लिए घंटों इंतजार करना पड़े, तो आम नागरिकों की सुनवाई को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। हालांकि, मामले में पुलिस की ओर से देरी के कारणों की स्थिति स्पष्ट होना बाकी है। विवाद की जड़ बिल-वाउचर पर हस्ताक्षर कराने का दबाव बताया जा रहा है। अब जांच में यह स्पष्ट होना जरूरी है कि संबंधित बिल-वाउचर किस कार्य से जुड़े थे, उनमें कितनी राशि थी और विवाद किन परिस्थितियों में हुआ। मामले के सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच से ही वास्तविक स्थिति सामने आ सकेगी।

### 18 साल का प्रतिनिधित्व अब जवाबदेही पर सवाल

ग्राम पंचायत पसला की सरपंच सन्तरी सिंह करीब 18 वर्षों से पंचायत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। उनके साथ कथित मारपीट के मामले में शिकायत दर्ज कराने के लिए करीब सात घंटे इंतजार की बात सामने आई है। समर्थकों और जनपद पंचायत जैतहरी के अध्यक्ष की मौजूदगी के बाद पुलिस द्वारा शिकायत दर्ज किए जाने की जानकारी है। इस घटनाक्रम ने पुलिस की शिकायत सुनने और दर्ज करने की प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं। सबसे अहम सवाल यह है कि शिकायत दर्ज करने में देरी क्यों हुई? साथ ही, बिल-वाउचर पर जबरन हस्ताक्षर कराने के आरोपों की भी निष्पक्ष जांच जरूरी है, ताकि घटना की वास्तविक वजह और जिम्मेदारी स्पष्ट हो सके।

# जबलपुर : नगर निगम का बाबू 20 हजार लेते रंगे हाथों पकड़ाया

**जबलपुर। दोपहर मेट्रो**

बैंक लोन के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करने के बदले रिश्वत मांगना कटनी नगर निगम के लिपिक को भारी पड़ गया। लोकायुक्त जबलपुर की टीम ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए नगर निगम की संपदा शाखा में पदस्थ लिपिक आलोक गर्ग को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया।

लोकायुक्त एसपी अंजुलता पटले के अनुसार, ट्रांसपोर्टर अशोक कनकने को ट्रांसपोर्ट नगर, पुरैनी में प्लॉट नंबर 137 आवंटित है। यहां निर्माण कार्य कराने के लिए उन्होंने बैंक से ऋण लेने का आवेदन किया था। बैंक ऑफ बड़ौदा ने ऋण स्वीकृति के लिए नगर निगम से एनओसी मांगी थी। एनओसी जारी कराने के लिए अशोक कनकने ने संपदा शाखा में पदस्थ लिपिक आलोक गर्ग से संपर्क किया। आरोप है कि लिपिक ने प्रमाण पत्र जारी करने के बदले 25 हजार रुपये की रिश्वत मांगी। इससे परेशान होकर ट्रांसपोर्टर ने लोकायुक्त जबलपुर में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत का सत्यापन करने के बाद लोकायुक्त टीम ने जाल बिछाया। शुक्रवार को शिकायतकर्ता ने जैसे ही लिपिक को 20 हजार रुपये दिए, टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। कार्रवाई में रेखा प्रजापति, राहुल गजभिए और शशि मरसकुले सहित अन्य सदस्य शामिल रहे। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

**मेट्रो एंकर** धार वन मंडल में भर्ती प्रक्रिया शुरू, दस्तावेज जांच, शारीरिक मापदंडों का परीक्षण पूरा, 25 किमी की पैदल चाल से तय होगी चुनौती

# वनरक्षक के 7 पदों के लिए 196 अभ्यर्थियों में मुकाबला, 172 पहुंचे मैदान में

**धार। दोपहर मेट्रो**

वनरक्षक भर्ती के तहत धार वन मंडल में सात पदों के लिए अभ्यर्थियों के बीच मुकाबला शुरू हो गया है। आयोजित शारीरिक परीक्षण में पंजीकृत 196 अभ्यर्थियों में से 172 उपस्थित हुए, जबकि 24 अनुपस्थित रहे। पहले दिन दस्तावेजों की जांच, बायोमेट्रिक सत्यापन और शारीरिक मापदंडों के परीक्षण की प्रक्रिया पूरी की गई। अब 24 अक्टूबर को होने वाली 25 किलोमीटर की पैदल चाल अभ्यर्थियों की अगली बड़ी परीक्षा होगी।

भर्ती में शामिल होने के लिए खरगोन, खंडवा, रतलाम और आलीराजपुर सहित आसपास के जिलों से अभ्यर्थी धार पहुंचे। प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की कमेटी निगरानी कर रही है। इसमें वन विभाग के साथ प्रशासन, पुलिस और चिकित्सा विभाग से जुड़े अधिकारियों की मौजूदगी रखी गई है। निर्धारित प्रक्रिया के तहत पहले दस्तावेजों की जांच, फिर बायोमेट्रिक सत्यापन और उसके बाद अभ्यर्थियों की ऊंचाई तथा सीने की चौड़ाई मापी गई। पहचान सुनिश्चित करने के लिए आधार आधारित सत्यापन भी किया गया। भर्ती प्रक्रिया के अगले चरण में अभ्यर्थियों को धार वन मंडल से सलकनपुर तक 25 किलोमीटर की पैदल चाल पूरी करनी होगी। इसमें उनकी शारीरिक क्षमता और सहनशक्ति परखी जाएगी। परीक्षण के दौरान एक गर्भवती महिला अभ्यर्थी का शारीरिक परीक्षण नहीं हो सका। अब पैदल चाल के बाद निर्धारित नियमों के अनुसार चयन प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

### 24 अभ्यार्थी अनपस्थित रहे

वनरक्षक भर्ती के पहले दिन कुल 196 अभ्यर्थियों में से 172 उपस्थित रहे, जबकि 24 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। सात पदों के लिए आयोजित इस प्रक्रिया में अभ्यर्थियों की पात्रता और शारीरिक मापदंडों की जांच की गई। सबसे पहले दस्तावेजों का सत्यापन किया गया, इसके बाद बायोमेट्रिक प्रक्रिया पूरी हुई। फिर अभ्यर्थियों की ऊंचाई और सीने की चौड़ाई मापी गई। पहचान सुनिश्चित करने के लिए आधार आधारित सत्यापन की व्यवस्था भी अपनाई गई। भर्ती में शामिल होने के लिए खरगोन, खंडवा, रतलाम और आलीराजपुर सहित आसपास के जिलों से अभ्यर्थी धार पहुंचे। पूरी प्रक्रिया पर अधिकारियों की विशेष कमेटी नजर रख रही है, ताकि निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

### 25 किमी की पैदल चाल, सहनशक्ति की होगी परीक्षा

भर्ती प्रक्रिया के अगले चरण में 24 अक्टूबर को अभ्यर्थियों को धार वन मंडल से सलकनपुर तक 25 किलोमीटर की पैदल चाल पूरी करनी होगी। यह चरण अभ्यर्थियों की शारीरिक क्षमता और सहनशक्ति परखने के लिहाज से महत्वपूर्ण है। सात पदों के लिए जारी भर्ती में इस परीक्षा पर सभी की निगाहें टिकी हैं। प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रशासन, पुलिस और चिकित्सा विभाग के अधिकारियों की निगरानी व्यवस्था रखी गई है। पहले दिन एक गर्भवती महिला अभ्यर्थी का शारीरिक परीक्षण नहीं हो सका। आगे की प्रक्रिया निर्धारित भर्ती नियमों के अनुसार पूरी की जाएगी। पैदल चाल के परिणाम के बाद चयन प्रक्रिया अगले चरण में बढ़ेगी।

## 28 अक्टूबर से कुमेड़ी ISBT से दौड़ेंगी अंतर्राज्यीय बसें

**इंदौर।** लंबे इंतजार के बाद कुमेड़ी अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (ISBT) से 28 अक्टूबर से बसों का संचालन शुरू होगा। यहां से उज्जैन होकर राजस्थान, गुजरात और दिल्ली जाने वाली बसें संचालित होंगी। हालांकि, बसों को ISBT पहुंचने के लिए रिंग रोड का उपयोग करने की अनुमति नहीं होगी।

आरटीओ प्रदीप शर्मा ने बस संचालकों के साथ बैठक कर संचालन की व्यवस्था तय की। बसों को तीन इमली से बायपास होकर रेडिसन चौराहा पहुंचना होगा। यातायात पुलिस ने विजय नगर होकर जाने की स्वीकृति दी है। नए बस स्टैंड से संचालन शुरू होने पर यात्रियों को सुविधा मिलने की उम्मीद है।

## 30 स्वर्ण, 35 रजत और 49 कांस्य जीतकर तोड़ा पिछला रिकॉर्ड, तीरंदाजी, निशानेबाजी में चमके भारतीय खिलाड़ी

# एशियन पैरा गेम्स में भारत का धमाका, 114 पदकों के साथ रचा इतिहास

**आइची-नागोया, एजेंसी**

जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियन पैरा गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से इतिहास रच दिया। भारत ने प्रतियोगिता में 30 स्वर्ण, 35 रजत और 49 कांस्य सहित कुल 114 पदक जीतकर अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इसके साथ ही भारतीय दल ने चीन के हांग्झू में 2023 में बनाए गए 108 पदकों के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। खास बात यह रही कि पिछली बार की तुलना में लगभग आधे खिलाड़ियों के दल के बावजूद भारत ने अधिक पदक जीतकर अपनी ताकत साबित की। भारत ने प्रतियोगिता में चौथा स्थान हासिल किया।

भारत ने इस बार एशियन पैरा गेम्स में 168 खिलाड़ियों का दल भेजा था। इसके बावजूद खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में दमदार प्रदर्शन करते हुए पदकों की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की। एथलेटिक्स ने भारत की पदक तालिका में सबसे बड़ा योगदान दिया। इस स्पर्धा में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल 65 पदक जीते, जो 2023 के मुकाबले 12 अधिक हैं। बैडमिंटन, तीरंदाजी और निशानेबाजी में भी खिलाड़ियों ने कई स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता के दौरान भारतीय खिलाड़ियों ने विश्व रिकॉर्ड और खेलों के रिकॉर्ड भी बनाए।

भारतीय तीरंदाज हरविंदर सिंह और विजय सुंडी ने पुरुष रिकर्व युगल स्पर्धा के फाइनल में चीन को 5-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं, भावना चौधरी और पूजा जात्यान की जोड़ी को महिला रिकर्व युगल के फाइनल में हार के बाद रजत पदक मिला। निशानेबाज मोना अग्रवाल ने भी अपने प्रदर्शन से सबको प्रभावित किया। उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 स्पर्धा में 357.5 अंक हासिल कर विश्व रिकॉर्ड बनाया और स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन एसएच1 स्पर्धा में भी स्वर्ण जीतकर दोहरी सफलता हासिल की। मोना को निषाद कुमार के साथ समापन समारोह में भारतीय दल का ध्वजवाहक चुना गया है।

### दौड़ और लंबी कूद में भी चमके खिलाड़ी

भारत के संदीप ने पुरुषों की 400 मीटर टी64 स्पर्धा में 52.28 सेकंड का समय निकालकर विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। अजय कुमार ने 53.61 सेकंड में दौड़ पूरी कर कांस्य पदक हासिल किया और खेलों का रिकॉर्ड बनाया। निमिषा चक्कुंगलपरंबिल ने महिला लंबी कूद टी47, जबकि प्रमोद बिजारनिया ने पुरुषों की 1500 मीटर टी46 स्पर्धा में रजत पदक जीता। पैरा बैडमिंटन में थुलासिमथी मुरुगेसन और मानसी गिरिशचंद्र जोशी ने महिला युगल एसएल3-एसयू5 वर्ग के फाइनल में चीन की जोड़ी को 21-16, 21-13 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में नितेश कुमार और नवीन शिवकुमार ने भी स्वर्ण पदक हासिल किए।

### तैराकी में भी भारत ने दिखाई ताकत

भारतीय तैराकी दल ने कुल 11 पदक जीतकर उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन किया। हिमांशु नंदल ने पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल एस11 स्पर्धा में एक मिनट 5.90 सेकंड का समय निकालकर कांस्य पदक जीता। इससे पहले वह 400 मीटर फ्रीस्टाइल और 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में भी कांस्य पदक जीत चुके थे। इस तरह उन्होंने प्रतियोगिता में तीन पदक अपने नाम किए।

### भाला फेंक में भारतीय खिलाड़ियों का क्लीन स्वीप

भाला फेंक में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक ही स्पर्धा के तीनों पदक अपने नाम किए। दो बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता सुमित अंतिल ने पुरुषों की संयुक्त एफ42-44/61-64 स्पर्धा में 72.46 मीटर दूर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता। महेंद्र गुर्जर ने 59.03 मीटर के प्रदर्शन के साथ रजत, जबकि संदीप संजय सरगर ने 64.48 मीटर भाला फेंककर कांस्य पदक हासिल किया। हनी ने पुरुषों की भाला फेंक एफ37/38 स्पर्धा में 60.49 मीटर का विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। वहीं, प्रणव सूरमा ने पुरुषों की क्लब थ्रो एफ51 स्पर्धा में 32.87 मीटर के खेलों के रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। धरमवीर को इसी स्पर्धा में कांस्य मिला।

---

### कप्तान पैट कमिंस ने दिए बड़े बदलाव के संकेत

## साउथ अफ्रीका से हार के बाद ऑस्ट्रेलिया टीम में खलबली

**गकेबरहा, एजेंसी**

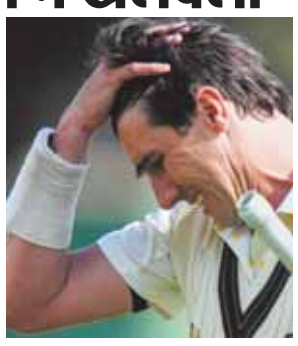

साउथ अफ्रीका के हाथों टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले में पारी और 31 रनों से हार झेलने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम पर सवाल खड़े हो गए हैं। कप्तान पैट कमिंस ने स्वीकार किया कि टीम मैनेजमेंट को अब प्लेइंग इलेवन पर नए सिरे से विचार करना होगा। 27 अक्टूबर से केपटाउन में शुरू होने वाले निर्णायक टेस्ट के लिए कैमरन ग्रीन और जोश इंग्लिस की उपलब्धता भी चयन को प्रभावित कर सकती है।

गकेबरहा टेस्ट मैच में फॉलोऑन खेलने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम दूसरी पारी में 295 रनों पर सिमट गई। मार्नस लाबुशेन 39 रन बनाकर आउट हुए, जबकि निक मैडिनसन और ब्यू वेबस्टर बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। मैडिनसन ने पहली पारी में शून्य और दूसरी इनिंग्स में आठ रन बनाए। वहीं वेबस्टर के बल्ले से 13 और 8 रन निकले। लगातार खराब प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को एक और मौका देने या उनकी जगह नए खिलाड़ियों को उतारने पर ऑस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन को फैसला करना होगा। कमिंस ने कहा, हमेशा यह चुनौती रहती है कि किसी खिलाड़ी को एक और मैच दिया जाए या बदलाव करने का यही सही समय है। अगले कुछ दिनों में इसी पर चर्चा होगी। उन्होंने यह भी बताया कि कैमरन ग्रीन और जोश इंग्लिस तीसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। पैट कमिंस के मुताबिक, टीम कॉम्बिनेशन पर विचार करते समय दोनों खिलाड़ियों के नाम चर्चा में आएंगे।

### पहलह्य टेस्ट में कंगारुओं को मिली थी जीत

कंगारू टीम ने पहला टेस्ट 214 रनों से जीता था। उस मुकाबले में मैट रेनशॉ ने 10 साल बाद अपना पहला टेस्ट शतक लगाया, लेकिन पैट कमिंस ने माना कि टीम की बल्लेबाजी तब भी उम्मीद के मुताबिक नहीं थी। उन्होंने कहा, रेनशॉ ने डरबन में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन मुझे लगता है कि खासकर बल्लेबाजी में हम अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर नहीं थे। हमारे बल्लेबाजों की क्षमता और उनके अपने मानकों को देखते हुए, हम उम्मीद से कम रन बना रहे हैं। पैट कमिंस ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम के पास केपटाउन टेस्ट से पहले तैयारी और अपनी गलतियों की समीक्षा करने के लिए कुछ दिन हैं।

---

### भारत बनाम न्यूजीलैंड का दूसरा टी-20 मैच आज

## ईशान के बाहर होते ही वैभव को प्लेइंग इलेवन में मिली जगह

**नई दिल्ली, एजेंसी**

भारतीय क्रिकेट में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से पहचान बनाने वाले युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी को टीम इंडिया में जगह मिल ही गई। बता दें कि पिछले मुकाबले में ईशान किशन के चोटिल होने वैभव को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 मुकाबले के लिए प्लेइंग इलेवन में जगह मिली है। बता दें कि न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में उन्हें मौका मिलेगा या नहीं, इस पर काफी चर्चाएं चल रही थी। अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबलों के दौरान भी अवसर नहीं मिलने के बाद अब सवाल उठने लगा है कि आखिर वैभव की प्रतिभा का इस्तेमाल कब किया जाएगा?

भारतीय टीम में संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने पहले टी20 मुकाबले में 226 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चार विकेट से मिली जीत में अहम भूमिका निभाई थी। ऐसे में टीम प्रबंधन के लिए इस जोड़ी में बदलाव करना आसान नहीं होगा। हालांकि, वैभव को अवसर देने का मतलब यह नहीं कि किसी स्थापित खिलाड़ी को बाहर करना ही पड़े। टीम प्रबंधन दूसरे बल्लेबाजी क्रम में भी उन्हें आजमाने पर विचार कर सकता है।

### रणजी ट्रॉफी में खेलने से मिल सकता है फायदा

वैभव के लिए घरेलू क्रिकेट भी एक उपयोगी विकल्प हो सकता है। यदि न्यूजीलैंड सीरीज में उन्हें खेलने का अवसर मिलने की संभावना कम है, तो चयनकर्ता और टीम प्रबंधन उन्हें बिहार की ओर से रणजी ट्रॉफी में खेलने देने पर विचार कर सकते हैं। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में बल्लेबाजी करने से उन्हें लंबी पारियां खेलने, तकनीक मजबूत करने और दबाव में फैसले लेने का अनुभव मिलेगा। हालांकि, इसके लिए भारतीय टीम की जरूरतों और घरेलू मुकाबलों के कार्यक्रम को ध्यान में रखना होगा।

### गंभीर और चयनकर्ताओं के सामने अहम सवाल

वैभव को लगातार अवसर नहीं मिलना अपने आप में गलत चयन का प्रमाण नहीं है। संजू और अभिषेक का प्रदर्शन उन्हें टीम में बनाए रखने का मजबूत आधार देता है। लेकिन युवा खिलाड़ी को टीम में शामिल करने के बाद उसकी भूमिका और भविष्य की योजना स्पष्ट होना भी जरूरी है। ईशान किशन की चोट के बाद टीम संयोजन को लेकर नए समीकरण बन सकते हैं, लेकिन वैभव को अंतिम एकादश में जगह मिलेगी या नहीं, यह टीम प्रबंधन के फैसले पर निर्भर करेगा। अब देखना होगा कि भारतीय टीम वैभव को कब मैदान पर उतरने का अवसर देती है। उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए सही समय पर प्रतिस्पर्धी मुकाबलों में मौका देना महत्वपूर्ण होगा, ताकि इंतजार के बीच उनकी खेल लय और आत्मविश्वास प्रभावित न हों।

---

### भारतीय महिला क्रिकेट को बड़ा झटका!

## 30 साल की सब्बीनेनी मेघना ने लिया संन्यास

**नई दिल्ली, एजेंसी**

भारतीय महिला क्रिकेट की बल्लेबाज सब्बीनेनी मेघना ने महज 30 साल की उम्र में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। शुक्रवार को सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा करते हुए उन्होंने अपने क्रिकेट करियर को अलविदा कहा। मेघना 2022 में कॉमनवेल्थ गेम्स में रजत पदक जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम का हिस्सा रही थीं। उनके इस फैसले के बाद उनके अंतरराष्ट्रीय करियर की यादें एक बार फिर चर्चा में हैं। मेघना ने अपने संन्यास की घोषणा करते हुए लिखा कि देश की जर्सी पहनकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा था। उन्होंने कहा कि क्रिकेट ने उन्हें हिम्मत, विनम्रता और जीवनभर संजोकर रखने वाली यादें दी हैं। उन्होंने अपने परिवार का विशेष रूप से आभार जताया, जिसने मुश्किल समय में उनका साथ दिया। इसके अलावा कोच, साथी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने उन्हें बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। अपने संदेश में मेघना ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई), आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), गुजरात जायंट्स और रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) का शुक्रिया अदा किया।

### भारत के लिए खेले 20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले

आंध्र प्रदेश की रहने वाली मेघना ने 2016 से 2022 के बीच भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और 17 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। एकदिवसीय क्रिकेट में उन्होंने एक अर्धशतक की मदद से 114 रन बनाए, जबकि टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में उनके नाम एक अर्धशतक सहित 258 रन दर्ज हैं। उनके करियर का एक अहम पड़ाव 2022 के कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय टीम के साथ रजत पदक जीतना रहा। संन्यास के बावजूद मेघना ने स्पष्ट किया कि क्रिकेट से उनका जुड़ाव खत्म नहीं होगा। उन्होंने कहा कि वह भविष्य में खेल को कुछ वापस देना चाहती हैं और अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देने के साथ क्रिकेट की सेवा करने के लिए अपना योगदान देंगी।

---

**मनोरंजन** | **बॉलीवुड का कोना**

### बच्चों की कल्पनाओं को नई उड़ान देगी 'लिटिल थॉमस', रसिका दुग्गल बोलीं-

## ऐसी फिल्में बेहद जरूरी

**मुंबई। मनोरंजन के साथ बच्चों की कल्पनाशक्ति और जिज्ञासा को बढ़ावा देने वाली फिल्मों की जरूरत पर अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने जोर दिया है। उनकी आगामी फिल्म 'लिटिल थॉमस' इसी सोच को पर्दे पर उतारने की कोशिश करती है। अभिनेत्री का मानना है कि बच्चों के लिए ऐसी कहानियां बनाई जानी चाहिए, जिनमें वे अपने अनुभवों और भावनाओं को पहचान सकें और अपनी दुनिया को नए नजरिए से देख सकें।**

रसिका दुग्गल ने कहा कि सिनेमा बच्चों की दुनिया को बड़ा करने और उनकी कल्पनाशक्ति को विकसित करने का प्रभावशाली माध्यम है। बचपन में देखी गई फिल्में और कहानियां बड़े होने पर भी हमारी सोच को प्रभावित करती हैं। इसलिए बच्चों के लिए ऐसी फिल्में जरूरी हैं, जो उनकी जिज्ञासा को दबाने के बजाय उसे प्रोत्साहित करें।

अभिनेत्री के मुताबिक, बच्चों का मनोरंजन करने के लिए कहानी का हल्का-फुल्का होना ही जरूरी नहीं है। गंभीर भावनाओं और वास्तविक अनुभवों को भी रोचक अंदाज में पेश किया जा सकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ज्यादा से ज्यादा फिल्ममेकर बच्चों के नजरिए से कहानियां कहने का प्रयास करेंगे। कौशल ओझा के निर्देशन में बनी 'लिटिल थॉमस' में रसिका दुग्गल जेसी मिरांडा की भूमिका निभा रही हैं। जेसी एक ऐसी मां हैं, जिनकी जिंदगी अपने परिवार, बेकरी और संगीत के प्रति प्रेम के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में गुलशन देवैया और बाल कलाकार हृदांश पारेख भी अहम भूमिकाओं में हैं। कहानी 1990 के दशक के गोवा में रहने वाले सात वर्षीय थॉमस और उसके परिवार के जीवन के उतार-चढ़ाव को दिखाती है।

### बचपन के सवालों से बुनी गई कहानी

'लिटिल थॉमस' की खासियत दुनिया को एक बच्चे की नजर से देखने का इसका अंदाज है। कहानी में थॉमस की जिज्ञासाएं, उसके मासूम सवाल और उनके जवाब जानने की जिद कई दिलचस्प परिस्थितियों को जन्म देती हैं। पारिवारिक रिश्तों और रोजमर्रा की घटनाओं के जरिए फिल्म बचपन की सहजता को सामने लाती है। फिल्म का परिवेश मालगुडी डेज और रस्किन बॉन्ड की कहानियों की याद दिलाने वाला बताया गया है, जहां छोटे-छोटे अनुभवों में जीवन के बड़े अर्थ छिपे होते हैं।

### बर्लिन से टोरंटो तक श्वेता त्रिपाठी की उड़ान!

## पहली प्रोड्यूस की हुई फिल्म से अंतरराष्ट्रीय मंच पर बनाई पहचान

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी इन दिनों अपनी फिल्म 'मुझे जान ना कहो मेरी जान' को अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों और बाजारों तक पहुंचाने में जुटी हैं। बतौर प्रोड्यूसर उनकी पहली फीचर फिल्म ने इस साल की शुरुआत में बर्लिन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल से अपना सफर शुरू किया था और अब यह टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2026 तक पहुंच गई है। श्वेता के लिए यह उपलब्धि खास है, क्योंकि निर्माता के रूप में इस फिल्म ने उन्हें कहानी कहने के साथ-साथ उसे दर्शकों तक पहुंचाने की प्रक्रिया को भी करीब से समझने का मौका दिया है।

श्वेता त्रिपाठी का कहना है कि एक अभिनेत्री और निर्माता के रूप में कहानी को देखने का नजरिया अलग होता है। अभिनेत्री के तौर पर उनका ध्यान किरदार को पर्दे पर जीवंत करने पर रहता है, जबकि निर्माता के रूप में फिल्म के भविष्य, उसके दर्शकों और उससे शुरू होने वाली बातचीत के बारे में भी सोचना पड़ता है। उन्होंने कहा कि जिस फिल्म पर आपको भरोसा हो, उसे अंतरराष्ट्रीय मंच तक ले जाना अपने आप में खास अनुभव है। बर्लिन से टोरंटो तक का सफर उनके लिए सीखने और फिल्म को नए दर्शकों के

सामने पेश करने का अवसर रहा है। श्वेता के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह और मार्केट दुनिया भर के फिल्मकारों, निर्माताओं और सिनेमा से जुड़े लोगों को एक मंच पर लाते हैं। यहां फिल्मों के लिए नए अवसर तलाशने और उन्हें अधिक से अधिक दर्शकों तक पहुंचाने की संभावनाएं बनती हैं। उन्होंने कहा कि बतौर निर्माता उनकी जिम्मेदारी सिर्फ फिल्म तैयार होने तक सीमित नहीं है। यह समझना भी जरूरी है कि कहानी किन लोगों तक पहुंचेगी और दर्शकों के बीच किस तरह की चर्चा को जन्म दे सकती है।

---

**मेट्रो बाजार**

## भारत में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नौकरियों का उछाल, 67 हजार पदों पर भर्ती का अनुमान

**नई दिल्ली।** भारत के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के वैश्विक क्षमता केंद्रों में रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। वर्ष 2026 में इन केंद्रों में नौकरी के अवसर करीब 93 प्रतिशत बढ़कर 67,000 तक पहुंचने का अनुमान है। खास बात यह है कि कंपनियां नए उम्मीदवारों के मुकाबले 3 से 12 वर्ष का अनुभव रखने वाले पेशेवरों को प्राथमिकता दे रही हैं। क्रेस कॉर्प की रिपोर्ट के अनुसार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आंकड़ा विश्लेषण, चिकित्सकीय अनुसंधान और नियामक मामलों में भर्ती की मांग तेजी से बढ़ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के वैश्विक क्षमता केंद्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता सबसे तेजी से विस्तार करने वाली तकनीक बनेगी। फिलहाल करीब 60 प्रतिशत केंद्रों में इसका इस्तेमाल हो रहा है, जो 2030 तक बढ़कर 80 से 90 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। चिकित्सकीय प्रक्रियाओं, अनुसंधान एवं विकास, संचालन और उत्पाद विकास में इसके बढ़ते उपयोग से विशेषज्ञ पेशेवरों की मांग भी बढ़ेगी। क्रेस आईटी सॉल्यूशंस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कपिल जोशी के अनुसार, पिछले साल नियुक्तियां लगभग दोगुनी हुईं, जबकि 2023 के बाद से कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आंकड़ा संबंधी विशेषज्ञों की मांग करीब 150 प्रतिशत बढ़ी है। हालांकि, योग्य पेशेवरों की कमी कंपनियों के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। भारत के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में फिलहाल 155 वैश्विक क्षमता केंद्र सक्रिय हैं, जिनमें करीब 3.2 लाख पेशेवर काम कर रहे हैं।

## अक्टूबर में भारत की कारोबारी गतिविधियां चार महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंची

**नई दिल्ली ।** अक्टूबर में भारत के निजी क्षेत्र की कारोबारी गतिविधियों (बिजनेस एक्टिविटी) में जोरदार तेजी दर्ज की गई और यह चार महीनों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। एचएसबीसी द्वारा जारी फ्लैश पीएमआई आंकड़ों के अनुसार, घरेलू मांग के साथ-साथ विदेशी बाजारों से मिले मजबूत ऑर्डरों ने विनिर्माण और सेवा क्षेत्र दोनों को गति दी है। साथ ही महंगाई से जुड़े दबावों में भी नरमी देखने को मिली है। एचएसबीसी फ्लैश इंडिया कंपोजिट आउटपुट इंडेक्स, जो विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की संयुक्त गतिविधियों को मापता है, सितंबर के 55.9 से बढ़कर अक्टूबर में 56.7 पर पहुंच गया। 50 से ऊपर का स्तर आर्थिक गतिविधियों के विस्तार का संकेत माना जाता है। यह जून के बाद कारोबारी गतिविधियों की सबसे तेज वृद्धि है।

आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की कंपनियों ने बाजार की स्थितियों में सुधार और नए ऑर्डरों में बढ़ोतरी की जानकारी दी। विदेशी मांग भी मजबूत रही और निर्यात ऑर्डरों में पिछले छह महीनों की सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई। एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन और नए ऑर्डरों की वृद्धि सितंबर के स्तर के आसपास बनी रही, लेकिन इसके पीछे सबसे महत्वपूर्ण पहलू निर्यात मांग में आई तेजी रही। उन्होंने कहा कि जून 2025 के बाद पहली बार निर्यात ऑर्डरों में इतनी मजबूत वृद्धि देखने को मिली है। उन्होंने बताया कि बढ़ती मांग को देखते हुए निर्माताओं ने कच्चे माल और तैयार माल दोनों का भंडारण बढ़ाया है। इसके साथ ही उत्पादन लागत और बिक्री मूल्य पर पड़ने वाला दबाव भी लगातार कम हो रहा है, जो महंगाई के मोर्चे पर राहत का संकेत है।

# समुद्र मंथन योजना.... गहरे पानी में तेल खोजेंगी कंपनियां

## सरकार का 84084 करोड़ का मेगा प्लान

**नई दिल्ली।** सरकार 84,084 करोड़ रुपये की समुद्र मंथन योजना के तहत ऊर्जा कंपनियों के साथ गहरे पानी में तेल और गैस की खोज का खर्च साझा करेगी।इसके तहत, जोखिम भरे कुओं की खोज के खर्च का कुछ हिस्सा सरकार उठाएगी, अपतटीय क्षेत्रों की सिस्मिक मैपिंग के लिए फंड देगी और साझा उत्पादन सुविधाएं बनाने में मदद करेगी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने समुद्र मंथन कार्यक्रम के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसका मकसद भारत के गहरे और बहुत गहरे पानी वाले क्षेत्रों में तेल-गैस की खोज को आर्थिक रूप से बेहतर बनाना है। इन क्षेत्रों में ड्रिलिंग खर्च बहुत अधिक होता है और भूगर्भीय संभावनाएं अनिश्चित होती हैं, जिससे निवेश करने में कंपनियां हिचकिचाती हैं।

### योजना का लक्ष्य ऊर्जा आयात निर्भरता घटाना

योजना का लक्ष्य हाइड्रोकार्बन के आयात पर भारत की भारी निर्भरता को कम करना है। यह योजना वित्त वर्ष 2030-31 तक चलेगी। इसमें वित्त वर्ष 2026-27 को तैयारी के वर्ष के रूप में रखा गया है, जबकि वित्त वर्ष 2027-28 से 2030-31 तक की अवधि को 'चरण-1' माना जाएगा, जिसमें खर्च किया जाएगा। पेट्रोलियम सचिव नीरज मित्तल ने दिशानिर्देशों की प्रस्तावना में इस योजना को हाल के समय में शुरू की गई तेल और गैस क्षेत्र की सबसे महत्वाकांक्षी पहल बताया और कहा कि इससे भारत के भंडार में 600 मिलियन टन से अधिक तेल के बराबर की वृद्धि हो सकती है।

## ओमान और इराक से भी आयात प्रभावित

# ईरान ने पाकिस्तान की एलपीजी सप्लाई रोकी: एक सिलेंडर कीमत हुई 7000 रुपए

**इस्लामाबाद/तेहरान, एजेंसी**

ईरान ने पाकिस्तान को एलपीजी की सप्लाई रोक दी है। पाकिस्तान अपनी कुल एलपीजी जरूरत का करीब 50% हिस्सा ईरान से आयात करता है। ऐसे में सप्लाई रुकने से आम लोगों की परेशानी बढ़ गई है।12 किलो के सिलेंडर की कीमत कुछ ही दिनों में 4500 पाकिस्तानी रुपए से बढ़कर 7000 रुपए हो गई है। यानी दाम 2500 रुपए बढ़ गए हैं।

### सीमा बंद होने से रुकी गैस की सप्लाई

पाकिस्तान और ईरान के बीच गब्द-रिमदान और तफ्तान की दो प्रमुख सीमा चौकियां 17 अक्टूबर को बंद कर दी गई थीं। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की सरकार ने सुरक्षा चिंताओं और तस्करी रोकने को इसकी वजह बताया, जबकि ईरान ने तकनीकी दिक्कतों का हवाला दिया। पाकिस्तान एलपीजी एसोसिएशन के मुताबिक, ईरान से रोजाना करीब 7000 मीट्रिक टन एलपीजी पाकिस्तान आती है।

ग्वादर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के पूर्व अध्यक्ष शम्सुल हक ने बताया कि अकेले गब्द-रिमदान सीमा से हर दिन 4000 टन से ज्यादा गैस आती है। फिलहाल यह सप्लाई रुकी हुई है। पाकिस्तान अपनी एलपीजी जरूरत का करीब 70% हिस्सा विदेशों से आयात करता है। ईरान के अलावा इराक और ओमान से भी गैस आती है।पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक के मुताबिक, देश में हर दिन करीब 6500 से 7000 टन एलपीजी की जरूरत होती है। इसमें से 2000 से 2500 टन गैस देश में तैयार होती है।

# ट्रेलर से भिड़ी मिनी बस, नासिक के 3 श्रद्धालुओं की मौत और 25 घायल

**जयपुर।** जयपुर से लगभग 20-30 किमी दूर बगरू में नेशनल हाईवे-48 पर मिनी बस की टक्कर ट्रेलर से हो गई। इस हादसे में तीन श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई है। वहीं करीब 25 लोग घायल हैं।बस खाटू श्याम से सालासर की ओर जा रही थी। बस में कुल 30 यात्री सवार थे। ये लोग नासिक के रहने वाले हैं। 7 लोगों को जयपुर के SMS अस्पताल रेफर किया गया है।मिनी बस और ट्रेलर की टक्कर के मामले में, जांच अधिकारी लालाराम ने बताया, 'रात करीब 2:00 बजे हमें पुलिस मित्र से सूचना मिली कि एक गंभीर हादसा हुआ है। मैंने तुरंत पेट्रोल यूनिट को अलर्ट किया और मौके पर पहुंचा।'

### भाग गया बस का ड्राइवर

जांच अधिकारी लालाराम ने कहा, 'यह हादसा तब हुआ जब एक मिनी-बस ने दूसरी गाड़ी को

ओवरटेक करने की कोशिश की और उससे टकरा गई। ड्राइवर मौके पर नहीं मिला। यात्रियों ने बताया कि वह गाड़ी से कूदकर भाग गया था।'

अधिकारी ने आगे बताया, '3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। उनके शवों को एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा गया। 25 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 7 लोगों को जयपुर के स्स्स् अस्पताल रेफर किया गया। बस खाटू श्याम से सालासर की ओर जा रही थी। ये लोग नासिक के रहने वाले हैं।'

# फ्रांस में हिंसा रोकने के लिए 70 हजार सुरक्षाकर्मी तैनात, आज फिर प्रदर्शन

**पेरिस, एजेंसी**

फ्रांस में पिछले हफ्ते हुई हिंसा के बाद आज फिर देशभर में महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे है। जिसमें हिंसा और लूटपाट की आशंका है। इन सब से निपटने के लिए सरकार ने देशभर में करीब 70 हजार सुरक्षाकर्मी तैनात किए हैं। इनके साथ पुलिस की विशेष टीमें, करीब 20 बख्तरबंद वाहन और पानी की बौछार करने वाले 15 वाहन भी तैनात रहेंगे।

पिछले शनिवार को 5 लाख से ज्यादा लोग प्रदर्शन करने सड़कों पर उतरे थे। प्रदर्शन के दौरान दुकानों में तोड़फोड़ हुई, लूटपाट की गई और गाड़ियों में आग लगाई गई। अब तक 2,700 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।हालात को देखते हुए कई शहरों में कर्फ्यू लगाया गया है और लोगों के इकट्ठा होने पर रोक है। पेरिस का लूव्र म्यूजियम बंद रहेगा, जबकि पेरिस सेंट-जर्मेन और लियोन के बीच फुटबॉल मैच भी टाल दिया गया है।स्कूलों की खराब हालत को लेकर शुरू हुआ यह आंदोलन अब महंगाई, बढ़ते खर्च और सरकारी सुविधाओं में कटौती के खिलाफ भी फैल गया है।

## राष्ट्रपति मैक्रों ने छात्र संगठनों से मुलाकात की, फुटबॉल मैच टला

### रोक के बावजूद निकलेगी रैली

राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शुक्रवार को छात्र संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। एक महीने से ज्यादा समय पहले स्कूलों की हालत को लेकर प्रदर्शन शुरू होने के बाद यह उनकी छात्र संगठनों के साथ पहली सीधी बैठक थी।मैक्रों ने कहा था कि वीकेंड पर सिर्फ मजदूर संगठनों के प्रदर्शनों को मंजूरी दी जाएगी। इस फैसले से छात्र संगठन नाराज हैं। फ्रांस के प्रमुख छात्र संगठन UNEF ने आज रैली निकाल रहा है।संगठन ने कहा कि मैक्रों लोगों के प्रदर्शन करने के अधिकार को छीन रहे हैं। उसने साफ किया कि रोक के बावजूद रैली निकाली जाएगी।

## न्यूज विंडो

### मुंबई में जैश-ए-मोहम्मद से कनेक्शन के आरोप में युवक गिरफ्तार

**मुंबई।** मुंबई एंटी टेररिज्म स्क्वाड ने माहिम से आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से कनेक्शन के आरोप में 33 साल के मोहम्मद हसन अबू सरमद अख्तर को गिरफ्तार किया है। आरोपी बिहार का रहने वाला है।वह मुंबई में रैपिडो ड्राइवर के तौर पर काम करता था। ञ्जस्के मुताबिक, आरोपी के मोबाइल फोन की जांच में भड़काऊ पोस्ट और मसूद अजहर के ऑडियो क्लिप मिले हैं।अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी की सोशल मीडिया गतिविधियों और एक टेलीग्राम ग्रुप से जुड़े सुरागों के आधार पर मामला सामने आया।पुलिस का आरोप है कि वह सोशल मीडिया पर जैश-ए-मोहम्मद को बढ़ावा देने वाली सामग्री पोस्ट करता था।जांच एजेंसी यह भी पता लगा रही है कि आरोपी के पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों से संपर्क थे या नहीं।

### पुणे के स्कूल में 9वीं की छात्रा पर चाकू से हमला, आरोपी छात्र गिरफ्तार

**पुणे।** महाराष्ट्र के पुणे जिले में एक 9वीं की एक छात्रा पर उसके क्लासमेट ने स्कूल के अंदर चाकू से हमला कर दिया। घटना शुक्रवार दोपहर करीब 2:15 बजे महालुंगे गांव के स्कूल में हुई। छात्रा को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, उसकी हालत स्थिर है।पुलिस के अनुसार, स्कूल के छात्र 17 और 18 अक्टूबर को सतारा जिले के पंचगनी और महाबलेश्वर घूमने गए थे। इस दौरान एक कार्यक्रम में लड़कियों के डांस का वीडियो बनाया गया था। आरोप है कि 9वीं में पढ़ने वाले छात्र ने यह वीडियो इंस्टाग्राम पर डाल दिया।इसे लेकर छात्रों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद उसने वीडियो हटा दिया। पुलिस को शक है कि इसी विवाद से नाराज होकर छात्र ने छात्रा पर चाकू से हमला किया। पुलिस ने छात्रा का बयान दर्ज कर लिया है और आरोपी छात्र को हिरासत में ले लिया है।

# राजस्थान और हरियाणा में ओले गिरे:तमिलनाडु में आंधी-तूफान जारी; यूपी-बिहार में बारिश का अलर्ट

**जयपुर/चैन्नई।** राजस्थान के 7 जिलों में शनिवार को तेज बारिश का यलो अलर्ट है। अलवर में तूफान के साथ बारिश और ओले भी गिरे। वहीं, हरियाणा के चरखी दादरी और रेवाड़ी में शुक्रवार को बारिश के साथ ओले गिरे।

तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में आंधी-बारिश हो रही है और आगे भी भारी बारिश की आशंका है। मदुरै में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण शहर के निचले इलाकों में पानी भरने लगा है। वहीं, बंगाल की खाड़ी में साइक्लोन बन सकता है, इससे बिहार और यूपी के पूर्वी हिस्से में 28 अक्टूबर से भारी बारिश हो सकती है।

**उत्तराखंड; ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के आसार-** उत्तराखंड के 7 जिलों में आज बारिश की संभावना है। इनमें देहरादून, टिहरी, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर, चमोली और पिथौरागढ़ शामिल है। 3500 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी के आसार हैं।वहीं, हरिद्वार, ऊधम सिंह नगर, नैनीताल, अल्मोड़ा, चंपावत और पौड़ी के अधिकांश हिस्सों में मौसम साफ रहने की संभावना है।

# 80 वैज्ञानिको की चुनाव आयोग को चिट्ठी कहा- तुरंत बंद करे एसआईआर प्रक्रिया

**नई दिल्ली।** स्वतंत्र वैज्ञानिकों के एक समूह ने भारत निर्वाचन आयोग झ्रऔर सरकार से मतदाता सूची के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' को रद्द करने की मांग की है।

वैज्ञानिकों ने SIR के विरोध में चुनाव और सरकार को एक ओपन लेटर लिखा। इस लेटर पर 80 शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों ने हस्ताक्षर किए हैं। ये लोग इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, IIT दिल्ली, IISER कोलकाता, इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमेटिकल साइंसेज (चेन्नई) और इंटरनेशनल सेंटर फॉर थियोरेटिकल साइंसेज (बेंगलुरु) जैसे संस्थानों से जुड़े हैं।हस्ताक्षरकर्ताओं का कहना है कि उन्होंने अपनी व्यक्तिगत हैसियत से इस बयान का समर्थन किया है। ये उनके निजी विचार हैं और इनका उनके संस्थानों से कोई लेना-देना नहीं है।वैज्ञानिकों ने उन सभी पात्र मतदाताओं के नाम भी तुरंत बहाल करने की मांग की है, जिन्हें गलत तरीके से सूची से हटा दिया गया है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि पात्र मतदाताओं खासकर गरीबों, प्रवासी मजदूरों और हाशिए पर रहने वाले समुदायों के नाम बिना किसी ठोस कारण के मनमाने ढंग से हटाए जा रहे हैं। प्रभावित नागरिकों को अपना नाम वापस जुड़वाने के लिए बेहद जटिल प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ रहा है।

## मेट्रो एंकर — कर्नाटक हाईकोर्ट ने एक्स अकाउंट एडमिन के खिलाफ रद्द की एफआईआर

# सोशल मीडिया पर खबर शेयर करना सांप्रदायिक अपराध नहीं

**बेंगलुरु, एजेंसी**

कर्नाटक हाई कोर्ट ने कर्नाटक पोर्टफोलियो नाम के सोशल मीडिया अकाउंट के एडमिन संदीप कुमार के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले को रद्द कर दिया है। संदीप कुमार पर पुत्तूर में छह युवकों द्वारा एक महिला को चाकू दिखाकर धमकाने की घटना से जुड़ी एक रिपोर्ट को रीपोस्ट करने का आरोप था।

न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, अदालत ने माना कि लगाए गए आरोपों से ऐसा कोई अपराध नहीं बनता, जिसमें समुदायों के बीच दुश्मनी या नफरत फैलाने के इरादे से झूठी जानकारी या अफवाहें फैलाई गई हों। अदालत ने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर आपराधिक मामले दर्ज करने के चलन, एक ही घटना पर कई एफआईआर दर्ज करने और पुलिस की शक्तियों के मनमाने इस्तेमाल को रोकने के लिए दिशा-निर्देश भी जारी किए।

### 'यह एक गंभीर मामला था'

अदालत ने टिप्पणी की, 'याचिकाकर्ता द्वारा री-पोस्ट की गई घटना कोई इकलौती या मनगढ़ंत घटना नहीं है। यह एक गंभीर मामला था, जिसमें छह युवकों ने एक समूह बनाया, अपनी थार एसयूवी से एक महिला का पीछा किया और उसे बार-बार धमकाया।' अदालत ने कहा कि कुमार ने केवल कानून-व्यवस्था सवालों के घेरे में जैसे शब्द पोस्ट किए थे। अदालत ने यह भी गौर किया कि इस घटना के संबंध में उसी पुलिस थाने में सात मामले दर्ज किए गए थे। अदालत ने पाया कि न तो शिकायत में और न ही कुमार की पोस्ट में किसी धार्मिक समूह का नाम लिया गया था और न ही इससे सांप्रदायिक अशांति फैलाने के किसी इरादे का संकेत मिलता है।सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए अदालत ने कहा कि इस अपराध के लिए कुछ जरूरी तत्वों का होना आवश्यक है, जिसमें समूहों के बीच दुश्मनी पैदा करने का इरादा भी शामिल है। अदालत ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए मिले संवैधानिक संरक्षण पर भी जोर दिया।

### अदालत ने पुलिस के लिए जारी किए निर्देश

जस्टिस एम. नागप्रसन्ना ने कुमार की याचिका पर सुनवाई करते हुए 16 अक्टूबर को यह आदेश सुनाया। उनकी ओर से अधिवक्ता गिरीश भारद्वाज पेश हुए। अदालत ने कर्नाटक के पुलिस महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक को निर्देश दिया कि वे अदालत के दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। दिशा-निर्देशों के तहत अदालत ने पुलिस को निर्देश दिया कि वे सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़े मामलों में यह जांचें कि क्या कथित अपराध के लिए जरूरी तत्व मौजूद हैं या नहीं। अदालत ने पुलिस से कहा कि वे एक ही घटना से जुड़ी लगातार आ रही शिकायतों की बारीकी से जांच करें। केवल इसलिए नए मामले दर्ज न करें क्योंकि शिकायतकर्ता अलग-अलग हैं, जब तक कि कोई अलग अपराध सामने न आए।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
**स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 ( *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524